हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

5 मार्च, 1993

खण्ड 1 अंक 9

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 5 मार्च, 1993

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(9)1
तारांकित प्र न एवं उतर	(9)3
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उतर	(9)21
वक्तव्यः मुख्य मंत्री द्वारा–	
(I) हरियाणा के साथ हुए नदी पानी के हिस्से पर हुए समझौते से सम्बन्धित छपे समाचार के बारे में	(9)24
(II) फरीदाबाद में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आगामी सै ान में सरकारी म ाीनरी के दुरूपयोग से सम्बन्धित छपे समाचार के बारे में	(9)25
वैयक्तिक स्पश्टीकरण–	
श्री बंसी लाल द्वारा	(9)33
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–	
राज्य में मद्य निशेध के अन्दोलन के फैसले सम्बन्धी	(9)33

वक्तव्य–	
आबकारी तथा कराधान मंत्री द्वारा उक्त ध्यानकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी	(9)34
सदन के निर्णय को रद्द करना	(9)36
बैठक का स्थगन	(9)45
वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)45
बैठक के समय परिवर्तन	(9)46
वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)46
सर्वश्री सम्पत सिंह तथा रमे ा कुमार एम0एल0एज0 के निलम्बन सम्बन्धी सदन के निर्णय को रद्द करना।	(9)50

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 5 मार्च, 1993

विधान सभा की बैठक हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1 चण्डीगढ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, क्वै चन आवर भुरू करने से पहले मुख्य मंत्री जी एक भाोक प्रस्ताव पे ा करेंगे।

सरदार वरयाम सिंह, संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व संसदीय सचिव

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): यह सदन संयुक्त पंजाब के भूर्तपर्व संसदीय सचिव, सरदार वरयास सिंह के 3 मार्च, 1993 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 20 अप्रैल, 1910 को जिला गुरदासपुर के गांव भागेवाला में हुआ। वह व्यवसाय से कृशक थे। उन्होंने स्वतन्त्रता–आन्दोलन में भाग लिया तथा चार बार जेल गए। वह संयुक्त पंजाब विधान सभा के चार बार सदस्य चुने गए। वह संयुक्त पंजाब में संसदीय सचिव रहे। उन्होने कई सम्मेलनों में भी भाग लिया।

उसके निधन से दे ा एक क्योवृद्ध स्वतन्त्रता सेनानी तथा अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिगवंत नेता के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री धीरे पाल सिंह (बादली): अध्यक्ष महोदय, हाउस के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मै भी उसके समर्थन में बड़ा हुआ हूं। सरदार वरयाम सिंह संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व संसदीय सचिव रहे है। वह फ्रीडमफाइटर के जाने से इस दे ा और प्रदे ा को बहुत बड़ा आघात लगा है। उनके निधन से हमें बहुत दुख हुआ है। हमारी पार्टी इस दुख में सांझी होती है और हम प्रार्थना करते है कि भगवान उनके संसार से जाने के बाद उनके परिवार को यह दुख सहन करने की भाक्ति दे। इसके साथ ही मै भगवान से प्रार्थना कंरूगा कि उस महान आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे।

श्री अमर सिंह (बवानी खेड़ा, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव सरदार वरयाम सिंह के बारे में रखा है, मै अपनी और से और अपनी पार्टी की और से उसका समर्थन करते हुए यहक हना चाहता हूं कि इस संसार में जो आता है, उसको एक न एक दिन अव य जाना पड़ता है। सरदार वरयाम सिंह बहुत हो बेहतरीन पार्लियामैंटेरियन थे और फ्रीडमाफइटर भी थे। उनके हमारे बीच से चले जाने से समाज को, दे ा और प्रदे ा को बहुत भारी नुक्सान हुआ है। मै भगवान

से प्रार्थन करता हूं कि भगवान उस महान आत्मा का अपने चरणों में स्थान दे। उनके परिवार और उनके रि तेदारों को यह दुख सहन करने की हिम्मत और हौसला दे। इन भाब्दों के साथ मै दिवंगत आत्मा को अपनी और से और अपनी पार्टी की और से श्रद्धांजलि अर्पित करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौद): स्पीकर साहब, सदन में जो भाोक प्रस्ताव पे ा किया गया है, इसमें मै अपने आपको भागीदार बनाता हूं। सरदार वरयास सिंह स्वतन्त्रता सेनानी थे, वह हमारे बीच में नहीं रहे और वह पीढ़ी, एक–एक करके हमारे से बिछुड़ रही है। जिन लोगों ने बड़ी भारी कुर्बानियां देकर हमारे दे ा को आजाद करवाया था उन लोगों का इस संसार से चले जाने पर दे ा और प्रदे ा को बहुत भारी नुक्सान होता है। लेकिन देहावसान कुदरत का नियम है और कुदरत की इस इच्छा के आगे हम सबको झुकना पड़ता है। मै भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भगवान दिवंगत आत्मा को भाान्ति दे। मैं अपनी और से और अपनी पार्टी की और से उस महान आत्मा के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

श्री अध्यक्ष: लीडर औफ दि हाउस ने सरदार वरयाम सिंह के निधन पर जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मै भी उसमें अपने आपको एसोि ाएट करता हूं। सरदार वरयास सिंह एक स्वांत्रता सेनानी थे और ज्वायंट पंजाब में एम0 एल0 ए0 भी रहे। वे पालियामैंटरी सैक्रेटरी भी रहे। वे इस दे ा की आजादी के लिए

चार दफा जेल भी गए। साहेबान मैं हाउस की जो फीलिंग्ज है, उन्हें भाोक संतप्त परिवार को कन्वे कर दूंगा। अब आपसे प्रार्थना करता हूं कि दो मिनट के लिए खड़े हो कर इस महान् आत्मा की भाान्ति के लिये प्रार्थना करें।

(इस समय दिवंगत आत्मा के सम्मान में सदन के सदस्यों ने खड़े होकर दो मिनटह का मौन धारण किया।)

तारांकित प्र न एवं उतर

Mr. Speaker: Hon'ble Members, the Question Hour.

Dry Latrines

400. Shri Amar Singh: Will the Minister of State for local Government be pleased to state-

(a) whether the Municipal Committee has constructed Dry Latrines in the area of Siwani during the period from 1992 date; if so, the total number thereof together-with the amount spent thereon; and

(b) the tolal number of Dry Latrines out of thoes referred to in part (a) above are in working order at prisent?

Minister of State for Local Goverment (Chaudhri Dharambir Gauba):

(a) and (b) No dry latrines have been constructed by Municpal Committee, Siwani in the Municipal area during the above period.

श्री अमर सिहः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि सिवानी में लैटरीन्ज बहुत ज्यादा बनी है। और हो सकता है जो समय मैने अपने सवाल में दिया है उससे आगे–पीछे बनी हों। अतः मै मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जब से यह सरकार बनी है, उस वक्त से लेकर अब तक, सिवानी में कितनी ड्राई लैटरीन्ज बनी है?

चौधरी धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, मैने अपने जवाब में कहा है कि कोई ड्राई लैटरीन सिवानी में नही बनी। मै इनको चाहूंगा कि ड्राई लैटरीन और लो–कोस्ट सेनीटे ान में बड़ा फर्क है। मै इनको यह भी बताना चाहूंगा कि भारत सरकार की नीति के अनुसार हम भी 8वीं पंचवर्शीय योजना में ड्राई लैटरीन बनाने की स्कीम को बिल्कुल खत्म कर रहे है। लो–कोस्ट सेनीटे ान (लैटरीन) घरों के अन्दर बनती है। ऐसी कुछ लैटरीन सिवानी के अन्दर बनाई है। 1990–91 के अन्दर 163 लैटरीन बनी है। ऐसी लैटरीन की टोटल संख्यां 699 है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इन 699 लैटरीन में से कितनी अब चल रही है और इन पर कुल खर्च कितना आया है? दूसरे मै यह भी जानना चाहूंगा कि क्या सरकार का सुलभ भौचालय बनाने का इरादा है?

चौधरी धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, इन 699 लैटरीन्ज से 509 लैटरीन्ज इस वक्त काम कर रही हे। इन सब पर कुल खर्च 14,11,180 रूपये आया है और यह पैसा हुडको से मिलता है। हुडको को एक स्कीम के तहत ही ऐसी लैटरीनज सिवानी और तीन और म्यूनिसिपल कमेटीन में बनाई है और ये लो–कौसट सेनीटे ान लैटरीन्ज है। मै आपके माध्यम से हाउस के सभी साथियों से कहना चाहूंगा कि वे लोगों को इस काम के लिए उत्साहित करें क्योंकि इस स्कीम के तहत 50 परसेन्ट सबसिडी मिलती है। 45 परसैन्ट लोन मिलता है, केवल 5 परसेन्ट ही व्यक्ति का अपनी तरफ से लगाना पड़ता है। यह स्कीम ड्राई लैटरीन से बहुत अच्छी है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि सुलभ भौचालयों के बारे में श्री पाण्डेय ने एक स्कीम तैयार की है जो गोबर गैस प्लांट की तरह की स्कीम है, जिससे स्ट्रीट लाईट भी सुलभ हो जाती है। यह स्कीम सारे बिहार में लागू है। मै माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या हरियाणा सरकार इस स्कीम को हरियणा में लागू करने के बारे में विचार करेंगी?

चौधरी धर्मबीर गाबाः ऐसी कोई स्कीम फिलहाल हरियाणा में नही चल रही है। जो स्कीम इस समय हरियाणा में चल रही है, वह हुडकों और गवर्नमैंट आफ इण्डिया के सहयोग से

चल रही है। जिस स्कीम का जिक्र माननीय सदस्य ने किया है, उस को ऐग्जामिन कर लेगे।

Link Roads

482. Shri Ram Pal Singh Kanwar: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether all the six link loads connecting village Uplana in Distict Karnal have been repaired during the current year, if not, the reasons thereof?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी): हां, जी। सभी छः सड़कों की मुरम्मत की जा चुकी है।

श्री रामपाल सिंह कंवर: स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया है कि उन सभी सड़को की मुरम्मत कर दी गई है। मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि सड़को पर 1–1 या डेढ़–डेढ फूट के जो गड्डे थे, उनको भरा गया है या सरफेसिंग करवा कर उनकी रिपेयर करवाई गई है?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय माननीय कंवर राम पाल जी ने जिन 6 सड़को के बारे में पूछा है, मै उनका ब्यौरा देना चाहूंगा। जिला करनाल में उपलाना से 6 सड़के निकलती है। इस सड़के की मुरम्मत की स्थिति और ईयरवाईज खर्च का ब्यौरा भी मैं इनको बता देता हूं। पहली सड़क है उपलाना से उकलानी। इस सड़क की कुल लम्बाई 4.30 कि0 मी0 है। इस की मुरम्मत कर दी गई है। इस सड़क पर वर्श 1991–92 के दौरान, 1.30 कि0 मी0 और वर्श 1992–93 में 3.00 कि0 मी0

तक मुरम्मत का कार्य किया गया। वर्श 1988–89 में 37 हजार, 1989–90 में 9 हजार, 1990–91 में 11 हजार, 1991–92 में 92 हजार और 19992–93 में 2 लाख 56 की रा ि ा खर्च की गई। इस सड़क के भाुरू में एक किलोमीटर तक पानी खड़ा हुआ है। इस टूकड़े की सरफ सिंग पानी सूखने के प चात होगी और जो बाकी दिक्कत है, उसको ठीक कर दिया जाएगा। दूसरी सड़क उकलाना तक है। यह सड़क 4.10 कि0 मी0 लम्बी है और इसकी मुरम्मत कर दी गई है। वर्श 1991–92 के दौरान 4.10 कि0 मी0 की लम्बाई पर सरफेसिंग का कार्य कर दिया कर दिया गया है। इस सड़क पर सालवाईज जो खर्च किया गया है, उसका ब्यौर इस प्रकार–वर्श 1988–89 में 6 हजार वर्श 1989–90 में 7 हजार, 1990–91 में 8 हजार, 1991–92 में 2 लाख 94 हजार, 1992–93 में 16 हजार रूपये खर्च किये गये है। स्पीकर सर, तीसरी सड़क उपलाना से रातक है, जिसकी लम्बाई 7.30 कि0 मी0 है। इस सड़क की मुरम्मत कर दी गई है। वर्श 1989–90 के दौरान 0.70 कि0 मी0 पर सरफेसिंग का कार्य किया गया है। सालवाईज इस सड़क पर खर्च किया गया है उसका ब्यौरा इस प्रकार है– वर्श 1988–89 में 5 हजार, 1989–90 में 5 हजार, 1990–91 में 64 हजार, 1991–92 में 5 हजार, 1989–90 में 5 हजार, 1990–9ण में 64 हजार 1991–92 में 5 हजार तथा 1992–93 में 6 हजार रूपये खर्च किये गये। चौथी सड़क उपलाना से पिंगला है जिसकी लम्बाई 5.35 किलो मीटर है। इस की मुरम्मत कर दी है। इस सड़क का सालवाईज खर्च का ब्यौरा इस प्रकार है। (विघ्त)

श्री रामपाल सिंह कंवरः स्पीकर सर, मुझे डिटेल की जरूरत नहीं है, मै सप्लीमैंटरी पूछना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः जो ब्यौरा मंत्री जी ने दिया है उससे तो लगता है आपके हल्के में कोई कच्चा चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः जो ब्यौरा मंत्री जी ने दिया है उससे तो लगता है कि अपके हल्के में कोई कच्चा रास्ता ही नही है।

श्री रामपाल सिंह कंवरः स्पीकर सर, एक कच्चा रास्ता है लेकिन मै उसकी मांग नही कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, जैसे कि मंत्री जी ने बताया कि उपलाना से जलमाना सड़क की रिपेयर कर दी है। अध्यक्ष महोदय, यह जो उपलाना की सड़क है उसके दोनों तरफ जोहड़ है, जिसके कारण सड़क में क्रैक्स पड़ गए है टूटने का खतरा है। उन जोहड़ों पर मवे ाी पानी पीने आते है। मै मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या वहां पर रिटेनिंग वाल बनाएंगे?

दूसरे अध्यक्ष महोदय, सी. एम. साहब ने मेरे गांव में दौरा किया था। मेरे गांव में दो, अढ़ाई सौ मीटर लम्बा एक रास्ता है जिसमें हमे ाा पानी रहता है। जब वहां पर सी. एम. साहब गए थे तो मिट्टी डाल दी गई थी और रास्ते को ठीक कर दिया गया था। क्या मंत्री जी वहां पर रोड़ी डलवा कर कारपैटिंग करवाने की कार्यवाही करेंगे?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, सड़क पर पानी खड़ा हुआ है, जब वह सूख जाएगा तो हम उसकी रिपेयर करवा देंगे। दूसरे सरकार से रिटेनिंग वाल का काम पंचायत विभाग को सौपा दिया है। अगर ऐसी बात है तो ये भाई पंचायता विभाग से सम्पर्क करे।

श्री रामपाल सिंह कवरः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि रिटेनिंग वाल को पंचायत विभाग बनवायेगा या इनका महकमा बनवायेगा?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, ड्रेनेज सिस्टर का काम और रिटेनिंग वाल का काम पंचायत को सौप दिया है, जिसके कारण उनका और हमारा कोआरडीने ान नहीं हो सकता। मै मुख्य जी से रिक्वैस्ट कंरूंगा कि यह काम भी पी0 डब्ल्यू0 डी0 के साथ जोड़ दिया जाए।

श्री जय सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जिला करनाल में कुल कितनी किलोमीटर सड़के है और से कितनी सड़कों की मुरम्मत हो चुकी है कितनी बाकी रह गई है जो बाकी रह गई है, उनकी कब तक मुरम्मत करवा दी जाएगी?

श्री अध्यक्षः आपका यह प्र न मूल प्र न से ताल्लुक नही रखता। इस बारे में अगर आपने कुछ और पूछना है तो आप अलग से लिखकर दे।

चौधरी ओम प्रका ा बेरी: अध्यक्ष महोदय, सरकार ने एलान किया था कि 31 मार्च, 1992 तक हरियाणा की सभी सड़के रिपेयर करवा दी जाएंगी जबकि यह डेट कुछ एक्सटैड भी हो गई थी। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या सभी सड़कों की रिपेयर हो गई है? अगर नहीं हुई है तो कब तक करवा दी जाएगी क्योंकि मेरे हल्के में 50 प्रति ात के करीब ऐसी सड़के है जिनकी अभी तक रिपेयर नही हुई है?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने बिल्कुल सही सवाल किया है तथा सारी स्टेट की सड़कों की मुरम्मत की बात पूछी है। अगर हम एक साल में सारी सड़कों की मुरम्मत करेंगे तो हमें 60 करोड़ रूपये की आव यकता पड़ेगी, जब कि सरकार ने सिर्फ 19 करोड़ रूपये ही रिपेयर के लिए दिये है। सड़के तो बार–बार टूटती रहती है, खड्डे होते रहते है। बेरी साहब ने जिन 6 सड़को के बारे में बताया है, मै इनको आ वासन देना चाहता हूं कि हम 31 मार्च, 1993 तक उनको ठीक करो देंगे।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से लोक निर्माण मंत्री से जानना चाहूंगा कि कुछ सड़के राजस्थान से खासकर नारनौल से, जो सड़क रोहतक आती है, उस पर ट्रैफिक एकदम से बढ़ा है। क्या ये इस सड़क पर प्राथमिकता के आधार पर बाइडनिंग और रिपेयर का कार्य करायेंगे?

चौधरी आनन्दा सिंह डांडीः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि भाई रामबिलास जी ने कहा है, मै इनको बताना चाहता हूं कि जो सड़के लम्बी है यानी स्टेट हाईबे है उनकी वाइडनिंग के बारे में सरकार की प्लान है। स्टेट के अन्दर जो सड़के 18 फुट चौड़ी है, सरकार का ऐसी सड़को को 22 फुट चौड़ी चौड़ा करने का प्लान है। इसके अलावा, जहां ट्रैफिक का लोड ज्यादा है, वहां सड़के है, जिस पर लोड भी ज्यादा है, वहां सड़के 18 फुट चौड़ी करने का प्रोग्राम है। इन्होंने जो सड़क बतायी है वह एक लम्बी सड़क है, जिस पर लोड भी ज्यादा है, इसलिए इस सड़क की प्राथमिकता के आधार पर वाइडनिंग की जाएगी।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, जैसा कि हरियाणा गर्वमैंट यह दावा भी करती है कि गांव–गांव का पक्की सड़कों से जोड़ा हुआ है, कोई भी ऐसा गांव नही है जो पक्की सड़को से न जोड़ा गया हो। वहीं पर कुछ ऐसे गांव भी हैं जिनको ढाणी और नंगलों के नाम से जाना जाता हैं, ये गांव पक्की सड़कों सें जुड़े हुए नही है। क्या इनको पक्की सड़को से जोड़ने का कोई विचार सरकार रखती है? और अगर रखती है तो मेरे हल्के पलवल में भााहदपुर और दिघोंद नंगले गांव है जो पक्की पड़को से जुड़े हुए नहीं है। क्या इनको भी पक्की सड़को से जोड़ने का सरकार का विचार है?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय जो इन्होंने सवाल किया है, उसमें आबादी के हिसाब से कुछ दिक्कत है। जिन

ढाणियों की आवादी 250 से कम है उनको पक्की सड़कों से नही जोड़ा गया है और जिन गांवों की आबादी 250 से अधिक है और वे पक्की सड़को से जुड़े हुए नही है, उनको हम पक्की सड़को से जोड़ देंगे। अगर इस तरह की आबादी का कोई गांव इनके हल्के में है तो यह हमें बता दें हम उसकी मुरम्मत करा देंगे।

श्री सूरजभान काजलः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि 31 मार्च, 1992 तक प्रदे ा की सभी सड़कों की मुरम्मत की जाएगी। इसके अलावा, इन्होंने यह भी कहा था कि जो सिंगल रोड्ज है, उन को भी डबल करा दिया जायेगा। लेकिन मेरे हल्के में जुलाना से हांसी, जुलाना से गोहाना, महम, जींद से सफीदों, जींद से गोहना और जींद से बखाड़ा आदि सिंगल सड़के है, क्या इनको डबल करने का कोई विचार है, अगर है तो कब तक ये सड़के डबल करा दी जाएंगी? इसी तरह से जैसे कर्ण सिंह ने ढाणियों के बारे मे प्र न पूछा था, मै भी इस बारे में कहना चाहता हूं कि मेरे हल्के में भी एक ढाणी है जो जींद सिटी से मु कल से दो कि. मी. की दूरी पर है। यह ढाणी रामगढ़ गांव जो पूरा हरिजनों का है, वहां जाने के लिए कच्चा रास्ता भी नही है, क्या मंत्री जी इस रास्ते को बनायेंगे?

श्री अध्यक्षः इस गांव को आबादी कितनी?

श्री सूरज भान काजलः अध्यक्ष महोदय, इसकी आबादी 250 के आस पास है।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो बातें कही है, उनका जवाब मै पहले ही दे चुका हूं। जिन सड़को पर लोड ज्यादा है, ट्रैफिक ज्यादा है, लम्बे रूट की है, उनकी चौड़ा करने का सरकार का प्रावधान है। इसके अलावा इनके हल्के के अन्दर दूसरी जो सड़के टूटी हुई है, वअ हमें बता दे, उनको 31 मार्च 1993 तक पूरा करवाने की कोि ा ा करेंगे।

श्री जय पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, पिछले साल दिसम्बर में सरकार का यह प्रपोजल था कि प्रदे ा में सारी सड़के बना दी जायेगी। मेरे हल्के राई में रेती की खान के चार जोन बने है, वहां पर बड़ा भारी टैफिक रहता है लेकिन वे सड़के केवल 12 फुट की ही है। क्या मुख्य मंत्री मंत्री जी या मंत्री महोदय यह आव वसन देंगे की जल्दी ही उन सड़के का 12 फूट से 18 फूट चौड़ा कर दिया जायेगा? पहले भी मुख्य मंत्री जी ने इस बात को मान लिया था लेकिन उन सड़को पर आज तक भी काम नहीं भाुरू हुआ है। वहां रेत की खानें चल रही है तथा बड़ी भारी रहती है, क्या मुख्य मंत्री जी उन सड़के को 12 फूट से 18 फूट चौड़ा करने का वायदा करेंगे?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की यह बात बिल्कुल सही है कि सड़क पर लोड है और

सरकार का उस रोड को चौड़ा करने का विचार भी है लेकिन धन के अभाव की वजह से यह नहीं बताया जा सकता कि यह कार्य कब तक किया जाएगा?

श्री मनी राम केहरवालाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अभी ऐलान किया है 12 फुट की सड़क को 18 फूट और 18 फूट की सड़क को 22 फूट चौड़ा कर देंगे। मै मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जो सड़के स्टेट हाईवें है लेकिन 12 फूट को है, उनको 22 फूट की बनाने का सरकार का कोई विचार है?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, इसके बारे में पहले ही बता चुका हूं कि जो स्टेट हाईवे है, जिनकी चौड़ाई 12 फूट है लेकिन ट्रैफिक का लोड ज्यादा है, उनको हम प्रायरिटी बेसिज पर चौड़ा कर रहे है। उसके बाद जी 12 फुट की है, उनको 18 फुट चौड़ा करने का विचार है।

श्री राम रतनः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि मेरे हल्के में बहुत सारे गांव है जो सड़को से नहीं जुड़े है, वे है– ाोली से प्रहलादपुर जिसकी आबादी 600–700 के करीब है जटौली से अतराचटा मोहरू का नगला से सुरजन नगला जहां कि बिल्कुल कच्ची सड़के है मिट्टी भी नही पड़ी है। सुजवाड़ी से सहौल से खेड़ला आइयानगर से अमरौली मीरपुर कोरारी से घसेडा, सुल्तानपुर से रहैमपुर, रहीमपुर से जमुनापुर,चांदन से बड़ौली एव बांसवा से भिड़की, ये सारे गांव

सड़को से नही जुड़े है। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि मेरे हल्के की ये कड़के अब तक क्यों नहीं बनी?

श्री अध्यक्षः राम रतन जी, क्या आपने इसके लिए पहले कभी लिखकर दिया है?

श्री रामरतनः अध्यक्ष महोदय, मैने इस बारे में लिखकर दिया है। मुख्य मंत्री जी 6 फरवरी की हसनपुर गए थे वहां इन्होने घोशणा भी की थी।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कुछ सड़को का जिक्र किया है। डिपार्टमैंट के पास इसका अब तक कोई व्यौरा नही है। माननीय सदस्य ने सदन में भी यह बात पहली बार रखी है। मैने पहले भी कहा है कि जिन गांवों की आबादी 250 से ज्यादा है, हम उनकी सड़क से जोड़ देंगे।

श्री राम रतनः अध्यक्ष महोदय, मैने इस बारे में लिखकर दिया है और साल भर से लिख–लिखकर थक गया हूं लेकिन अभी तक कोई जवाब नही मिला। यह मेरे और मेरे हल्के के साथ अन्याय हो रहा है।

श्री अध्यक्षः राम रतन जी, मंत्री जी ने ए योरेंस दे दी है।

श्री धर्म पाल सिंहः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन्होंने सड़को को चौड़ा करने एवं उनकी रिपेयर के बारे में बताया है। दादरों से भिवानी रोड और झज्जर से छूछकवास रोड़, जिसकी साईड कटी हुई है, क्या इस काम को रिपेयर के अंदर लेंगे? दादरी से महेन्द्रगढ़ के बीच अगर कोई गाड़ी साइड देना चाहे तो नही दे पाती। सड़क के साथ मिट्टी का ज्यादा से ज्यादा एक फुट का फासला हे। कितलाना, दादरी–भिवानी रोड पर सड़क की ऊंचाई, मिट्टी से एक फुट है, इससे या तो गाड़ियों का एक्सीडैन्ट होता है या पलट जाती है और बड़ा भारी नुकसान हो रहा है। क्या मंत्री महोदय इस काम को प्राथमिकता देगे और यदि तो कब तक यह काम पूरा हो जाएगा?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने दो सड़को के बारे में कहा है। एक तो दादरी से भिवानी तक की सड़क है और दूसरी दादरी से महेन्द्रगढ़ तक की सड़क है। इन सड़को के बारे मे उन्होंने जानकारी दी है। यह दोनो सड़के मैने खुद जाकर देखी है। दोनों सड़कों के रास्ते एक डेढ़ किलोमीटर तक खराब है। इनको ठीक करने के लिए कार्यवाही की जा रही है। दादरी से महेन्द्रगढ़ सड़क पर काम चल रहा है। कितलाना के पास जो सड़क टूटी हुई है। जिसके बारे में माननीय सदस्य ने कहा है, उस बारे में स्थिति यह है कि मौसम की खराबी की वजह से पिछले कुछ समय पहले काम नहीं हो पाया लेकिन

अब मौसम ठीक हो गया है। अब हम उस सड़क को भी ठीक करा देंगे।

श्री राम कुमार कटवालः स्पीकर साहब, पिछले में मुख्य मंत्री महोदय ने इस सदन में यह आ वासन दिया था कि 31 मार्च, 1993 तक हरेक सड़क की मुरम्मत कर दी जाएगी लेकिन मेरे हल्के में एक अलेवा से डाठरथ तक की एक सड़क है। उस पर रोड़ी तो डाल दी गयी लेकिन उसमें कहीं तारकोल की भाक्ल तक देखने का नहीं मिलती। सारी रोड़ी नीचे बैठ गयी है। राजोंद से निकलते वक्त वहां किसी दूसरे बस को साइड नहीं मिल सकती। इसलिए मेरा प्र न यह है कि राजोंद से निकलते ही जो सड़क टूटी हुई है, क्या सरकार उसको जल्दी ही ठीक करा देगी?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः माननीय सदस्य ने जो बात कही, है असके बारे में लिखकर दे दें। जो कुछ भी इनकी जानकारी में है, वह हमें दे दे, हम उसको ठीक करा देंगे।

Upgradation of Govt. Girls Middle School, Madlauda

463. Shri Krishan Lal: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether there is any propesal under consideration of the Govt. to upgrade the Govt. Girls Middle School, fo Village Madlauda in Distt. Panipat during the current year; and

(b) if so the time by which the said proposal is likely to be materialzed?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमति भाान्ति देवी राठी):

(क) जी नही।

(ख) उपरोक्त क के अनुरूप प्र न ही नहीं उत्पन्न होता।

श्री कृश्ण लाल: स्पीकर साहब, मुझे तो मैम्बर बने आज दो साल के लगभग हो गये है। मैंने आज तक बहिन जी के मुंह से यस नही सुना है, नो ही नो लिखती है। खैर, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि किसी मिडल स्कूल में अपग्रेड करने का क्या क्राइटेरिया है? दूसरी बात यह है कि मतलोड़ा ब्लाक एक 30 साल पुराना ब्लाक है जो एक कस्बा है। वहां पर कन्याओं के लिए एक मिडल स्कूल बना हुआ है। वहां से 18 किलोमीटर दूरी पर पानीपत पडता है। लडकियों के लिए हाई स्कूल न होने की वजह से बड़ी दिक्कत होती है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि पुराना कस्बा और 30 साल पुराना ब्लाक होने की वजह से क्या आप उस मिडल स्कूल को अपग्रेड करके हाई स्कूल बनाने पर विचार करेंगे?

श्रीमति भान्ति देवी राठी: स्पीकर साहब, मेरे माननीय भाई ने पहले तो क्राइटेरिया पूछा है कि हाई स्कूल अपग्रेड करने के बारे में नीति निर्धारण क्या है। जो मेरे पास विवरण उपलब्ध

है, उसके अनुसार 12 कमरे वहां पर उलब्ध है, लेकिन हमें टोटल 15 कमरें चाहियें। कुछ बात तो ठीक है लेकिन कुछ बात नहीं है। नार्म्ज पैसे की उपलब्धि भी है, न कि जमीन और कमरों की ही उपलब्धि है। हमारे पास संसाधन कितने है, यह बात भी देखनी होती है। हमारी बजट व्यवस्था कैसी है, यह भी देखना होता है। उसी के अनुसार हम स्कूलों के स्तर को उन्नत करते है।

श्री कृश्ण लालः जैसे कि बहिन जी ने बताया है कि 12 कमरों की बजाय 15 कमरे चाहियें, मतलब यह कि तीन और कमरों की इन्हें जरूरत है। हमने यह कमरे बनाने के लिए सरकार से कभी एक पैसा तक नहीं लिया है। हमने सारे कमरे गांव से पैसा चन्दे के रूप इकट्ठा करके बनाये है। हम आपको तीन की बजाये 6 कमरे और बनाकर दे देंगे। इसके अलावा, जैसे कि आपको पता ही है, स्कूलों के अन्दर अध्यापकों की कमी भी रहती है। हमने गांवों की तरफ से चन्दा इकट्ठा करके अध्यापक रखा हुआ है। उसको पैसा हम गांव वालों की तरफ से ही देते है हम आप से बस यही चाहते है कि आप इस उस स्कूल को मिडल से हाई स्कूल मे उपग्रेड कर दें। जहां तक अध्यपकों की पे वगैरह का ताल्लुक है, हम खुद दे दिया करेंगे।

श्रीमति भांान्ति देवी राठीः स्पीकर साहब, जहां तक माननीय सदस्य ने यह कहा है कि उनके मिडल स्कूल को हाई स्कूल में अपग्रेड कर दिया जाये, इस बारे में हम फयूचर में कंसीडर कर लेगें। जहां तक उन्होंने अध्यापकों की कमी का जिक्र

किया है, मै आपके माध्यम से सदन के नोटिस में यह बात लाना चाहती हूं कि 5400 अध्यापक हमने पिछले वर्श भर्ती किये है और इस बात भी 4,000 के करीब और भर्ती करने जा रहे है। इसलिए मैं आपको माध्यम से माननीय सदस्य से क्या यह पूछ सकती हूं कि चार वर्श तक तो वह सरकार सोती रही और आज हमारे ऊपर प्र नों की बौछार कर रहे है। उस सरकार ने चार वर्श तक स्कूलों का कोई स्तर क्यों नही बढाया?

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय कह रही हैं कि हमारी सरकार चार साल तक सोती रही। मैं बहन जी की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि 350 स्कूल हमारी सरकार ने अपग्रेड किए थे, उनमें इस स्कूल का नाम था। हाउस के नेता को और इस पार्टी के सदस्यों को यह बात अच्छी नहीं लगी और इन्होंने उस फैसले को बदल दिया।

श्री अध्यक्षः उस स्कूलों का दर्ज अगले साल के लिए बढ़ाया था या केवल अपने समय के लिए बढ़ाया था?

श्रीमति भाांन्ति देवी राठीः स्पीकर साहब, वह ऐसी सरकार थी जो बिना कायदे कानून के काम करती थी। जाते–जाते वह सरकार 350 स्कूलो का दर्जा कागजों पर बढ़ाकर चली गई। जब इन्होंने देखा कि हम तो जाने वाले है तो इन्होंने केवल कागजों पर आदे ा जारी कर दिए। स्पीकर साहब, यह सरकार कायदे कानून की सरकार है। जब तक हमारे पास संसाधन नहीं

होगे और बजट मे व्यवस्था नहीं होगी, तब तक सरकार पिडले सरकार की तरह से स्कूल अपग्रेड नहीं करेंगी।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, हमारी सरकार कैसी थी, इस बारे में मै ज्यादा चर्चा नही करूंगा। मै कोई बात ऐसी नही कहूंगा जिससे कि बहन जी का कश्ट हो। हमारी सरकार ने 350 स्कूलों को दर्दा बढ़ाया था। पूरे के पूरे वित्तीय साधन देखते हुए जितना पैसा उनको आव यक था, उतना बजट में मुहैया कराया गया था। उसके आदे ा जारी किये गए थे। स्पीकर साबह, सब को पता है कि आदे ा कागजों पर ही जारी होते है। मेरे पास पूरी जानकारी है और मै पूरी अथोरिटी से कहना चाहता हूं कि वे आदे ा ि ाक्षा मंत्री और ि ाक्षा विभाग के सचिव कमि नर ने जारी किऐ थे और सरकारी तौर पर जारी किए थे।

श्रीमति भाांति देवी राठीः स्पीकर साहब, यह रिकार्ड की बात है और मै धीरपाल सिंह जी कि पूरी तसल्ली करवा सकती हूं कि बजट में कोई व्यवस्था नहीं थी। यह बात मैं दावे के साथ कह सकती हूं। मै सदन में तो क्या बाहर भी झूठ बोलने की आदि नहीं हूं।

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, मै भी फाइल और रिकार्ड के आधार पर जानकारी दे रहा हूं। आप उस समय की फाइल और रिकार्ड भी मंगवा ले और देख लें। आदे ा कागजों पर ही होते है। कोई ऐफिडेविट पर आदे ा जारी नहीं होते। आप

कागज मंगवा कर देख लें कि वह कागज प्राईवेट था या सरकारी कागज था।

J.B.T. Centre

488. Shri Ram Rattan: Will the Minister for Education be pleased to state whether is any proposal under consideration of the Govt. to open a JBT Centre at Faridabad, if so the time by which it is likely to be opened?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमति भाान्ति देवी राठी): जी नही, परन्तु भारत सरकार द्वारा पाली (फरीदाबाद) में जिला ि ाक्षण एवं प्रि ाक्षण संस्थान स्वीकृत किया गया है।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने लिखित उतर मे बताया है कि भारत सरकार द्वारा पाली (फरीदाबाद) में जिला ि ाक्षण एवं प्रि ाक्षण संस्थान स्वीकृत किया गया है। मैं बहन जी से जानना चाहता हूं कि यह जी डिस्ट्रिक्ट इंस्टीचयूट आफ ऐजुके ान एण्ड ट्रेनिंग है, उसमें कौन कौन सी ट्रेनिंग आती है? क्योंकि बहुत सी ऐसी कार्यक्रम होते है जिनको सरकार स्वीकृत करती है। केवल मात्र इतना कह देने से कि भारत सरकार द्वारा इसकी स्वीकृति मिल गई है, हमारे जिले के लोगों को कोई सन्तुश्टि नही है, जब तक विभाग की और से मौके पर ट्रेनिंग के लिये कोई बिलडिंग न बनाई जाए, स्टाफ वगैरह न भेजा जाए, इस कार्यक्रम के लिए कोई क्लर्कस वगैरह की भर्ती न की जाए तक तक लोगों की संतुश्टि नही हो सकती।

अतः मेरी आपके द्वारा बहन जी से प्रार्थना है कि बताएं कि इस स्कीम के तहत किस तरह की ट्रेनिंग होगी? क्या पूरे ब्यौरे सहित हमें बताने को कश्ट करेंगी?

श्रीमति भाांति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से भाई राजेन्द्र जी की बताना चाहती हूं कि 1987–88 में गुड़गांव और सोनीपत में दो डाइट चालू की थी लेकिन में खैद के साथ हाउस में बताना चाहूंगी कि हमारे विपक्ष के भाईयों और इनका बिल्कुल भी ध्यान नहीं था। केवल अपने लिये ही ये लोग सोचते रहे। मैं इनको बताना चाहती हूं कि डाइट ऐसी चीज है जिसका भात प्रति ात पैसा सैन्टर देता है, लेकिन उसका लाभ भी ये लोग न ले सके। पर इसके लिए मै चौधरी भजन लाल जी की सरकार को बधाई देती हूं कि वि ोश तौर पर हमारे ि ाक्षा विभाग ने, यानी हमारे अधिकारियों ने वि ोश रूचि लेकर इस वर्श 6 और डाइट्स मन्जूर करवा ली है और उनके लिये बिलडिंगज का पूरा पैसा आ चुका है, फर्नीचर का पूरा पैसा आ चुका है और जो अतिरिक्त किये जा चुके है और इस वर्श वे चालू हो जाएंगी। 1993–94 की जा 4 डाईट्स भारत सरकार से हमने और मन्जूर करवा ली है। वे कौन–कौन सी है– भट्टूकलां (हिसार), भााहपुर (करनाल), पलवल (कुरूक्षेत्र) और पाली (फरीदाबाद)। अपने भाई राजेन्द्र सिंह जी को बताऊंगी कि हमारी कोई भी बात कागजों में नहीं होती और न ही झूठ व गल्त होती है। 1993–94 में भात

प्रति ात इन डाईट्स को, चाहे हमे उनके लिये दूसरे स्थान भी क्यों न किराये पर लेने पड़े हम इन्हें चालू करेंगे।

श्री धर्मपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि मेरे हल्के के गांव बहरीकला में एक जे0 बी0 टी0 केन्द्र सरकार ने पिछले दिनों स्वीकृत किया है लेकिन उस का निर्माण कार्य पैसे की कमी की वजह से अधूरा पड़ा हुआ है, क्या सरकार उसके लिये पैसे की व्यवस्था भीघ्र करेगी, दूसरा प्र न मेरा यह है कि पिछले दिनों मुख्य मंत्री महोदय जब दादरी गये थे और उसके साथ नेहरा साहब, भी थे, उन्होंने समस्तपुर में कन्या विद्यालय का उद्घाटन भी किया था और उस स्कूल का अपग्रेड करने की घोशणा भी की थी। जो आ वासन नेहरा साहब ने दिया था, क्या सरकार उसको पूरा करेंगी? तीसरा मेरा प्र न यह है कि बहरी कलां गांव में 10+2 के स्कूल की अप–ग्रेडे ान की सभी फारमैलिटीज पूरी हो चुकी है, क्या सरकार अपने क्राइटेरिया ने अनुसार उस स्कूल को अपग्रेड करने का प्रत्यन करेंगी?

श्रीमति भाांति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह बात मै बता चुकी हूं लेकिन दोबारा देती हूं। बहरीकलां भिवानी में स्थित है। उस गांव के लिए डाइट मन्जूर हो चुकी है और इस वर्श चालू हो जाएगा। जहां की बिल्डिंग का और फर्नीचर आदि का पैसा भारत सरकार से मन्जूर हो कर आ गया है।

डा0 राम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इन्होने स्वयं यह माना है कि डाइट का सारा पैसा केन्द्रीय सरकार देती है। सीनियर लैक्चरज को केन्द्र सरकार उनकी बेसिक वेतन का 20 प्रति ात फालतू देती है। पीछे जो एडवरटाईजमैंट हुई थी उसमें भी यह व्यवस्था थी, उससे पहले भी उनको 20 प्रति ात देते रहे है। क्या कारण है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा पैसा मिलने के बावजूद अब तो नियुक्तियां हो रही है, उनमें उनको जो 20 एक्स्ट्रा मिलना चाहिए था, वह काट दिया गया है? क्या सरकार इस कटौती को बहाल करके पर विचार करेंगी?

श्रीमति भाांति देवी राठी: अध्यक्ष महोदय, जो सरकारी मेरे भाई ने दी है यह बात ध्यान में नहीं है। इस बारे में मै पूरी जानकारी विभाग से लेने के बाद कुछ कहने की स्थिति में हुंगी।

School Functioning without Headmasters

494. Shri Karan Singh Dalal: Will the Minister for Education be pleased to state the names of schools, if any, functioning without permanent principals/Headmasters/Headmistresses is District Faredabad together with the time by which these posts are likely to be filled up ?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमति भाांति देवी राठी): जिला फरीदाबाद में 9 पद प्रधानाचार्यो के तथा 42 पद राजकीय उच्च विद्यालयों के मुखियों के रिक्त पड़े है। स्कूलों की सूची सदन के

पटल पर रखी जाती है। रिक्त पदों को भीघ्र ही भाविश्य में भर दिया जायेगा।

स्कूलों की सूची

जहां प्रधानाचार्य के पद रिक्त पडें है:–

1	रा0 व0 मा0 वि0	मलाई
2	–सम–	हथीन
3	–सम–	पृथला
4	–सम–	चंदहाट
5	–सम–	बहीन
6	–सम–	जसाना
7	–सम–	(कन्या) हथीन
8	–सम–	(क) होडल
9	–सम–	बडोली

जहां मुख्याध्यापक/मुख्याध्यापिकाओं के पद रिक्त पड़े है:–

1	–सम–	अहरवा

2	–सम–	अलिका
3	–सम–	अलीमेव
4	–सम–	अमरपुर
5	–सम–	बागपुर
6	–सम–	बडरूखी
7	–सम–	बन्चारी
8	–सम–	बाता
9	–सम–	धतीर
10	–सम–	डिगोट
11	–सम–	दधोला
12	–सम–	गुरक्षार
13	–सम–	गुलावर
14	–सम–	करमन
15	–सम–	जदापुर
16	–सम–	खाम्बी

17	–सम–	कु क
18	–सम–	करना
19	–सम–	कटेसरा
20	राजकीय उच्च विद्यालय	कलसादा
21	–सम–	कोण्डल
22	–सम–	लिखी
23	–सम–	मानपुर
24	–सम–	मीरपुरकुराली
25	–सम–	मि ाका
26	–सम–	मरौली
27	–सम–	सौंदहट
28	–सम–	देवली
29	–सम–	सिहील
30	–सम–	(कन्या) बहीन
31	–सम–	हसनपुर

32	–सम–	सिहा
33	–सम–	सिवाली
34	–सम–	बोहलरा
35	–सम–	उतावर
36	–सम–	भुपानी
37	–सम–	धोज
38	–सम–	छैंसा
39	–सम–	फिरोजपुर कलां
40	–सम–	प्याला
41	–सम–	जावा
42	–सम–	(कन्या) पाली

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने जी सदन के पटल पर सूची रखी है, ये मेरे जिले फरीदाबाद के सारे के सारे पांच हजार की आबादी के बड़े बड़े गांव है। अगर इनमें मंत्री महोदय हैडमास्टर या प्रिसिंपल की नियुक्ति नही कर सकती तो ये किस बात की की ि ाक्षा देने का दावा करती है? मै इनसे जानना चाहूंता हूं कि इन गांवों में कितने दिनों के अन्दर हैडमास्टर और प्रिसिंपल लगा देंगे?

श्रीमति भाांति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, मै अपने भाई दलाल साहब को आपको माध्यम से बताना चाहती हूं कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि इसके जिले में प्रधानाचार्यो और मुख्यध्यपकों के पद रिक्त पड़े है। क्यों पड़े है, अगर इस बारे में मैं डिटेल में बताऊंगी तो फिर ये मेरे भाई नाराज होंगे। पिछले चार वर्शो मे अध्यापकों का कोई भी रिक्त पद नहीं भरा गया। 9000 अध्यापकों की भरती करना कोई छोटी बात नहीं है। यह भी इय तरह की स्थिति में जबकि सुप्रीम कोर्ट के आदे ा बार–बार आते रहे हे। वरना हम पहले भर लेते। इस कोर्टस का आदर करते है। मै अपने विभाग की आभारी हूं और उनका धन्यवाद करना चाहती हूं। हमारा 75 प्रति ात कोटा डिपार्टमैंट परमो ान का होता है और 25 डायरैक्ट कोटा होता है। हमने परमो ान का कोटा तकरीबन पूरा कर दिया है। जो बचे है वह इसलिए बचे है कि उनका सर्विस रिकार्ड ठीक नहीं है इकसे अतिरिक्त प्रधानाचार्य के पदों को भरने के लिए हम आज से सवा साल पहले पब्लिक सर्विस कमि ान को रिक्विजी ान भेज चुके है। अगर आप कहे तो मै तारीख भी बता सकती हूं। हमने पब्लिक सर्विस कमि ान से दोबारा भी अनुरोध किया है कि आप इंजीनियर्ज की बजाय एजूके ान डिपार्टमैंट का तरजीह दे करके भीघ्रति ीघ्र इन पोस्टों को भरे। हैडमास्टर्ज के पदों को भरने के लिए भी हम पब्लिक सर्विस कमि ान का रिक्विजी ान भेज चुके है

चौधरी अजमत खांः स्पीकर साहब, एजुके ान मिनिस्टर साहिबा ने जो, जवाब दिया है, उसके हिसाब से 9 पद प्रधानाचार्यो के और 42 पद हैडमास्टर्ज के खाली है। जिन स्कूलों में ये पद खाली पड़े है, उन स्कूलों के बच्चों इम्तिहान दे रहे है। जिन स्कूलों 7 सालों से मुख्य अध्यापक नहीं है, क्या उन स्कूलों के बच्चों के साथ यह अन्याय नहीं है? मै आपके माध्यम से ि ाक्षा से ि ाक्षा मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जिन स्कूलों में मुख्य अध्यापक नहीं है उनमें मुख्य अध्यापक कब तक लगा देगें? अकेले एक जिले में 42 स्कूलों के अन्दर मुख्य अध्यापक नहीं है। मै चाहूंगा कि चाहे कही से भी इन्तजाम किया जाए, उन स्कूलों में मुख्य अध्यापक नहीं अव य भेजे जाए।

श्रीमति भाांति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय मै आदरणीय भाई अजमत खां जी को बताना चाहूंगी कि हमारे ि ाक्षा विभाग ने इन पदों को भरने के लिए अपने कार्य की गति इतनी तेजी से चलाई है कि वह इसके लिए बधाई का पात्र है। अध्यक्ष महोदय, पब्लिक सर्विस कमि ान को पोस्टों के भरने के लिए इतनी जल्दी रिक्विजी ान भेजना और परमो ान कोर्ट की पोस्टे का भरना, 9 हजार अध्यापकों को पोस्टों को भरना, कोई सरल कार्य नही है लेकिन उसके बावजूद भी उसमें जो देरी हुई है, वह मेरे सामने बैठे भाईयों की सरकार के कारण हुई है, क्योंकि इनकी सरकार ने अपने चार साल के समय में इन पोस्टों को भरने के लिए कोई कलम तक नहीं चलाई थी।

Constuction of Ditch Drain

530. Chaudhri Om Parksh Beri: Will the Minister for Irrigation be pleased to state whether any diteh drain along the J.L.N. Canal to Rothak Distrior has been sanctioned for cheeking the deepage and water loging problem on permanent basis if so, whether the construction on the said drain has been started togethewith the time by which it is likely be completed?

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): जे. एल. एन. फीडर के साथ एक डिचड्रेन स्वीकृत है और न कि जे. एल. एल. कैनाल के साथ। रोहतक जिले में जे. एल. एन. फीडर के साथ ड्रिन के निमार्ण का कार्य प्रारम्भ किया गया है और इस का पूर्ण किया जाना धन की उपलब्धि पर निर्भर है।

चौधरी ओमप्रका ा बेरी : अध्यक्ष महोदय जैसा कि मंत्री जी ने बताया है कि जे एल एन फीडर के साथ एक डिच मंजूर हो चुकी है। यह बात ठीक है कि लेकिन अकेले मंजूर होने से काम नहीं चलता। हर मामले में पैसं की जरुरत होती है। और वहीं कंडी ान मंत्री जी ने लगा दी कि सब्जैक्ट टू अबेलेबिलिटी औफ फण्डज। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को पता है कि जे0 एल0 एन0 कैनाल में सीवेज और वाटर लोगिंग की बहुत भारी प्रौब्लम है और वह प्रोब्लम पिछले 15–20 साल से है और उससे वहां पर लगभग 30 हजार एकड़ जमीन बर्बाद हो चुकी है। कई किसानों की तो एक इंच भी जमीन नहीं रही है। उनकी जमीन में एक भी

दाना अनाज का पैदा नहीं हो रहा है और इस बार ही नही बल्कि पिछले 15 साल से अनाज पैदा नहीं हो रहा है। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या मंत्री जी इस काम को एक साल के अन्दर–अन्दर पूरा करने के लिए प्रायर्टी बेसिज पर पैसा देने का आ वा न देंगे इसक साथ साथ मैं मंत्री जी के नोटिस में एक बात यह भी लाना चाहूंगा कि वहां पर जिन किसानों की जमीन 15 सालों से वाटर लोगिंग की वजह से खराब हो गई है बड़े ताज्जुब को बात है कि उन किसानों से आज भी आबियाना वसूल किय जा रहा है मैं यह चाहूंगा कि मंत्री जी अपने महकमें के औफिसर्ज को और फील्ड स्टाफ को यह दिदायतें जारी करवाएं कि ऐसे किसानों से आबियाना वसूल न किया जाए और जिन किसानों से आबियाना बसूल किया जा चुका है, उनका पैसा वापिस दिलाया जाए।

चौधरी जगदी ा नेहराः यह जो डिच ड्रेन हम बना रहे है, यह जे0 एल0 एन0 कैनाल के साथ नही बना रहे बल्कि जे0 एल0 एन0 फीडर के साथ बना रहे है इस पर कुल खर्च 1 करोड़ 37 लाख 56 हजार रूपये आना है। अब तक 77 किलोमीटर में से 22 किलोमीटर पर कार्य हो चुका है। इस पर अब तक 28 लाख रूपये के करीब खर्च हों चुके है। अभी इस प्रोजैक्ट पर 1 करोड़ 9 लाख रूपये खर्च होने है। जहां तक इनका यह कहना है कि इसको एक साल के अन्दर पूरा कर दिया जाये, ऐसा आ वासन तो मैं नहीं दे सकता लेकिन सरकार पूरी गंभीरता से इस पर

अगले साल भी काम जारी रखेगी ताकि अधिक से अधिक किसानों की राहत मिल सके। दूसरा सवाल इनका यह था कि जिन किसानों की जमीन में पानी खड़ा है, उनका आबिजाया माफ किया जाये, इस बारे में इनको मै बताना चाहूंगा कि जहां पर वाटर लौगिंग की वजह से किसान पानी को इस्तेमाल नही करते उसकी जांच करवा ली जाएगी लेकिन जहां पर वाटर लोंगिग के बावजूद भी किसान सिंचाई करते है, वहां सरकार आबियाना माफ नहीं करेगी।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि 22 किलोमीटर डिच ड्रैन खोदी गई है। इस बारे में अपनी कास्टिचुएंसी की बात कह सकता हूं कि अगर आईडैन्टीफाई किया जाये तो उसमें 1000 फुट डिच ड्रेन खोदी गई है। इस खुदाई के बाद लोगों की सुविधा देने की बजाये उल्टे प्रोब्लम आ गई है। जहां पर खुदाई हुई है वहां पानी खड़ा रहता है। इस बारे में मै मंत्री महोदय को यह सुझाव देना चाहूंगा कि फन्डज क्रिएट करके इस सारे काम एक एक साल के अन्दर अन्दर खत्म कर दे क्योंकि नई स्कीमों की इतनी जरूरत नहीं है जितनी पूरानी स्कीमों को मैनटेन किया जाना जरूरी है। मै चाहूंगा कि इस डिच ड्रेन को पैचिज में बनाने की बजायें एक साल में इकट्ठा ही मुकम्मल करवा दें इससे किसानों को और सरकार की ज्यादा फायदा होगा। यदि पैचिज में यह काम होता रहा तो जी पैसा खर्च ही चुका है, वह वेस्ट चला जायेगा।

चौधरी जगदी ा नेहरा: अध्यक्ष महोदय, बेरी साहब की यह बात ठीक है कि इस डिच ड्रेन पर पैचिज में काम हो रहा है। विभाग ने यह फैसला किया है कि सेम की वहज से जहां पर किसानों की ज्यादा जमीन खराब हो रही है, पहले वहां डिच ड्रेन खोदी जाजे। रोहतक में 13 किलोमीटर और झझर में 9 किलोमीटर डिच ड्रैन खोदी गई। विभाग ने यह भी किया हुआ है कि जहां जहां पर पानी ज्यादा खड़ा हुआ है वहां पंप हाउसिज के जरिए उस पानी को वापस नहर में डाला जाता है ताकि किसानों की कम से कम जमीन खराब हो। जहां तक इनका यह कहना कि इसको एक साल में पूरा करवायें उस बारे में मै इनको यह कहना चाहूंगा कि हम इसके लिए अधिक से अधिक पैसे का प्रावधान करके किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ देने की कोि ा ा करेंगे।

Upgradation of the Primary School, Chulana and Garhi Sampla

503. Chaudhri Balwant Singh Maina: Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under conideration of the Governement to upgrade the Prososal Schools of village Chulana and Garhi Sampla in Distict Rohtak to Middle Schools; if so the time by which the aforesaid schools are likely to be upgraded?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमति भाांति देवी राठी): जी नहीं।

चौधरी बलवन्त सिंह मैनाः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि स्कूल अपग्रेडे ान के क्या नार्म्ज है, क्योंकि मेरे हल्के मे सांपला के अन्दर एक लड़को का और एक लड़कियों का हाई स्कूल है ये दोनों स्कूल अपग्रेडे ान की सारी मान्यताएं पूरी करते है इसके बावजूद भी इनको अपग्रेंड नही किया जा रहा जबकि वहां पर एक प्राईवेंट स्कूल जो इनको आदमी का है उसको 10+2 में अपग्रेड कर दिया गया है जबकि वहां पर न तो चार दीवारी है और न ही नोनद गांव में 24 कमरे है। जो दो सरकारी स्कूल सापले में है उन पर लोगों ने अपने पैसे खर्च करके कमरे बनाए है। में जानना चाहूंगा कि जो ये दोनों स्कूल सांपला में लड़के और लड़कियों के है उनको कब तक 10+2 मे उपग्रेड कर दिया जायेगा?

श्रीमति भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, मै अपने माननीय भाई भैणा जी को बताना चाहूंगी कि इन्होंने अपग्रेडे ान के लिए दो स्कूल लिख कर दिए थे लेकिन कह रहे है कि प्राईवेट स्कूल का मान्यता दे दी। मै उनकी जानकारी के लिए उन्हें बताना चाहूंगी कि उस स्कूल की ग्रान्ट–इन–ऐड केवल परीक्षा के लिए मान्यता दी है ताकि उनके बच्चे एग्जाम दे सकें। इन्होंने दो स्कूलों के बारे में लिखा है और मै चाहती हूं कि इनके ये स्कूल बनने चाहिएं। जब भी कोई अपग्रेडे ान की बात होगी, इनको विचारधीन रखा जाएगा। मैंने इनको अलग से भी आ वासन दिया था कि चुलाना के स्कूल को अपग्रेडे ान के लिए विचार में रखा

जाएगा लेकिन दूसरे स्कूल के बारे में अभी मैं कोई वायदा नहीं करती।

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने सदन के सामने कुछ देर पहले बात कही थी हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान की हैडमास्टरों और प्रिंसिपल्ज की पोस्टों के लिए सिलैक ान के बारे में लिखेंगे।

श्री अध्यक्षः यह सवाल स्कूलों की अपग्रेडे ान से सम्बन्धित है। आप जो सवाल पूछना चाहते है, वह इस सवाल में से नहीं बनता।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जिला फरीदाबाद के पलवल हल्के में मनौली में लड़कीयों के लिए 5 वें दर्जे तक का स्कूल है। उस गांव के लोगों ने इस स्कूल के लिए और कमरे बनवा दिये है। मैं माननीय मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि जब गांव वालों ने और कमरे बनवा दिये हैं तो क्या सरकार इस स्कूल को 8वें दर्जे तक का स्कूल करने बारे में विचार करेंगी?

श्रीमति भाांति देवी राठीः स्पीकर साहब, ये लिख कर भेज दे, इस पर विचार कर लिया जाएगा।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, जाखल तहसील के मुकाबले का गांव है और वहां म्यूनिसिपल कमेटी भी है और उस स्कूल में करीब एक हजार बच्चे पढ़ते है। जाखल की आवादी 15 हजार के करीब है। वहां पर 10 वीं का एक स्कूल ळै जिसके

10+2 में कन्वर्ट करने को कहा गया था लेकिन वह स्कूल अभी 10+2 का चालू नहीं हुआ है। मै माननीय मंत्री महोदय को बताना चाहूंगा कि जब इसमें 25 कमरे बने हुए है, इसको 10+2 तक करके कब तक चालू किया जाएगा? (विघ्न)

श्रीमति भाांति देवी राठीः इस बारे में अव य विचार किया जाएगा।

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, सोनीपत में जे0 बी0 टी0 स्कूल के बारे में.....(विघ्न)

Mr. Spaker: This supplementary does not arise out of this question. You please taken your seat. Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उतर

Water Works for Kuchnana Kund and Kuchrana Kalan

509. Shri Ram Kjumar Katwal: Will the Minister for Piblic be pleased to state whether there is any proposal under conideration of the Governement to construct water works at village Kuchrana Khurd and Kucharana Kalan, in District Jind; if so the time by which the said water works are likely to be constiucted?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री निर्मल सिंह): इन दो गांवो में अलग से जल घर बनाने का प्रस्ताव नही है।

Purchase of Semen

526. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Animal Husbandry be pleased to state whether Animal Husbandry Department has purchased semen from the Australian Govt. during the year 1991-92 and 1992-93; if so, the details thereof togetherwith the amount spent thereon?

प ुपालन राज्य मंत्री (राव धर्म पाल): जी हां। वर्श 1991–92 में आस्ट्रेलियन फ्रीजीयन साहीवाल, फ्रोजन सीमन की 5000 खुराके वाकोल कृत्रिम अजनन केन्द्र वाकोल प्राथमिक उद्योग विभाग, कवीनजलैण्ड सरकार (आस्ट्रेलिया) से कुल 7.00 लाख रूपय (3500 आस्ट्रेलियन डालर) की रा ि ा से क्रम की गई थी। वर्श 1992–93 में कोई खरीद नहीं की गई।

Geeta Kendra at Kurukshetra

527. Dr. Ram Parkash: Will the Chif Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up Geeta Kendra at Kurukshetra; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Kendra is likely to set up?

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (चौधरी धर्मबीर गाबा):

(क) एवं (ख): जी हां। इस परियोजना का पूरा होना धन की उपलन्धता पर निर्भर करता है।

Allecation of Funds to Irrigation Department

498. Shri Zakir Hussain: Will the Minister for Irrigation be pleased to state the sub-division-wise total funds allocated for different shemes, including disitting of the Canals to the Irrigation Department during the year 1991-92 and 1992-93 in the State?

Interim Reply

Jagdish Nehra

D.O. No.PS/IPAM-93/4

Irrigation & Pariamentary

Affairs Minister, Hryana

Chandigarh.

Dated 2-3-93

Subject: Starred assembly qusembly question No. 498 asked by Shri Zakir Hussain, M.L.A. fixed for 5-3-93. Extension in time for reply.

Sir,

To reply the above question, information is required to be based on the voluminous tigures to be collected from different Cit Cles, Divisions and Sub-Divisions of all the administrations namely, Canals, Drainage, Co nstructions, Lining etc. of Irrigation Department and it will take some time. As such, it will not be possible for the Government to reply the question on 5-3-1993. Therefore, I request you to grantextenstion in time for one month for prepar ing the reply.

With regards,

Yours sincerely.

Sd/-

(Jagdish Nehra)

Shri Ishwar Singh,

Speaker, Haryana Vihan Sabha,

Chandigarh.

Central Cooperative Banks

521. Sathi Lahri Singh: Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) the disrict-wise details Central Cooperative Banka in the State as at present; and

(b) whether there is also any proposal under consideration of the Government to open a Central Cooperative Bank at Yamuna Nagar and Branch of Cooperative Bank at Kheri Lakha Singh in District Yamuna Nagar; and

(c) if so, the time by which the aforeaid proposal is likely to be materaial?

सहकारित मंत्री (श्रीमति भाकुन्तला भगवाड़िया) (क, ख, तथा,ग): विवरण विधान सभा के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(क) राज्य में 16 जिले है और इनमें 14 केन्द्रीय सहकारी बैंक निम्न– तालिका अनुसार कार्य कर रहे है:–

क्र0 स0	केन्द्रीय सहकारी बैंक का नाम	जिला क्षेत्र
1	दी अम्बाला केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 अम्बाला	क. अम्बाला ख. यमुनानगर
2	दी भिवानी केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 भिवानी	भिवानी
3	दी फरीदाबाद केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 फरीदाबाद	फरीदाबाद
4	दी गुड़गांव केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 गुड़गांव	गुड़गांव
5	दी हिसार केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 हिसार	हिसार
6	दी जीन्द केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 जीन्द	जीन्द
7	दी करनाल केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 करनाल	क. करनाल ख. पानीपत
8	दी कुरूक्षेत्र केन्द्रीय सह0 बैंक लि0	कुरूक्षेत्र

	कुरूक्षेत्र	
9	दी कैथल केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 कैथल	कैथल
10	दी महेन्द्रगढ़ केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 महेन्द्रगढ़	महेन्द्रगढ़
11	दी रोहतक केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 रोहतक	रोहतक
12	दी रिवाड़ी केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 रिवाड़ी	रिवाड़ी
13	दी सिरसा केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 सिरसा	सिरसा
14	दी सोनीपत केन्द्रीय सह0 बैंक लि0 सोनीपत	सोनीपत

(ख) यमुनानगर में केन्द्रीय सहकारी बैंक खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है।

खेड़ी लखा में सहकारी बैंक की भााखा खोलने का कोई प्रस्ताव विचारधीन नहीं है।

(ग) केन्द्रीय सहकारी बैंक के स्थापना सम्बन्धी प्रस्ताव की औपचारिकतायें पूरी होने पर भीघ्र कार्यन्वित की सम्भावना है।

वक्तव्य–

मुख्य मंत्री द्वारा–

(1) हरियाणा के साथ नदी पानी के हिस्से पर हुए समझौते सम्बन्धि छपे समाचार के बारे में

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have recevied a Calling Attention Notice from Dr. Ram Parkash, M.L.A.----------(Interruptions)

Shri Verender Sinhg: Speker Sir, Zero hour is there. We want to speak on zero hour. अध्यक्ष महोदय, आज की अखबारों महोदय, मुख्यमंत्री और परसों भी एक लैटर छपा था, वह भी एक खबर ही थी अध्यक्ष महोदय मुख्यमंत्री पंजाब ने गवर्नमैंट आफ इण्डिया को लिखा है कि एक नवम्बर 1966 को जिस दिन हरियाणा वजूद में आया था, उसके प चात् जितने भी पानी के बारे एग्रीमैंट हुए है उन सबको रिव्यू किया जाए। यह जो खबर छपी है, उसे गवर्नमैंट आफ इण्डिया वाटर रिसोर्सिज मंत्री श्री विद्या चरण भाुल्क ने स्वीकार कर लिया है। वे रजामंद ही गए है कि 1966 के बाद जो पानी का एग्रीमैंट हुआ है, उसे रिब्यू कर लिया जाए। हमने परसों भी इस बारे में इस सदन में बात कही थी और यह बहुत चिन्ता की बात है। अध्यक्ष महोदय, 24 मार्च 1976 को चौधरी बंसी लाल जी ने एफर्ट्स करके ये एग्रीमैंट साईन करवाया था। उसके प चात् चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री थे।

श्री अध्यक्षः वीरेन्द्र सिंह जी ये बातें कई बार हाउस में बोली गई है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, 1981 में एग्रीमैंट हुआ जिसमें इरैडी ट्रिब्यूनल ने इस केस की फाइन्डिग दी, यह ट्रिब्यूनल राजीव लोंगोंवाल एकोर्ड के तहत गवर्नमैंट मुकर्रर किया था। इरैडी ट्रिब्यूनल ने 1987 या 1988 में फाईनल फाइन्डिंगज दे दी, तो किस आधार पर गवर्नमैंट आफ इण्डिया पानी के एग्रीमैंट को रिव्यू कर रही है, हम मुख्यमंत्री जी से जानना चाहेंगे? दूसरे क्या गवर्नमैंट आफ इण्डिया को यह अख्तियार है कि वह हमारी सलाह लिए बिना, हमारी रजामन्दी के बिना, इस एग्रीमैंट रिब्यू कर सकती है? तीसरी, इडैडी ट्रिब्यूटन ने जो फाईनल फाइंडिंग दे दी है, जो उसी आधार पर हमारे पानी में किसी तरह की कटौती न हो, इसकी मैं हरियाणा गवर्नमैंट से ए योरैन्स चाहता हूं।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजनलाल): अध्यक्ष महोदय, मै यह बात पहले ही क्लीयर कर देता हूं ताकि का टाईम खराब न हो। अध्यक्ष महोदय, ज्यों ही अखबरों में मैंने यह पढ़ा तो मुझे भी इस बात की चिन्ता हुई है कि कैसे चिठ्ठी लिखी गयी है। मैंने उसी समय सुबह आठ बजे वाटर रिसोर्सिज मिनिस्टर श्री विद्याचरण भाुल्क जी से फोन पर बात की कि क्या मुख्यमंत्री (पंजाब) ने आपको कोई चिठ्ठी खिली है। तो उन्होंने कहा कि मेरे पास कोई चिठ्ठी नही आयी है। और न ही मैने अनको कोई चिठ्ठी लिखी है। अखबारों में जो छपा है, वह बिल्कुल गलत बात है। अखबारों

में जो छपा है, उसके बारे में मैने उनसे कहा था कि आज जरूर अपोजी ान वाले इसके बारे में हाउस में कहेंगे। उन्होने मुझसे कहा था कि आप उनको यह देना कि मैनें उनकी चिठ्ठी नही लिखी है। अध्यक्ष महोदय, पानी का मसला रीओपन होने का कोई सवाल नही उठता है। कयदे कानून के मुताबिक भी पानी का मसला नही उठ सकताह है।

(2) फरीदाबाद में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आगमी सै ान में सरकारी म ाीनरी के दुरूपयोग सम्बन्धी छपे समाचार के बारे मे

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमने नियम 73 के तहत एक कांलिग अटै ान मो ान दिया था कि फरीदाबाद जिले में कांग्रेस पार्टी का अधिवे ान होने जा रहा है। वहां पर सारा प्र ाासन आज कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहा है, उसके पास और कोई काम ही नहीं है। अखबार में भी फोटो छपा है कि पी.डब्ल्यू.डी(बी.एड.आर.).का बुलडोजर वहां पर काम कर रहा है। होना तो यह चहिए था कि प्र ाासन को लोगों का काम करना चाहिए था, लोगों की दिक्कतों के लिए समय देना चाहिए था लेकिन वहां पर सारा का सारा प्र ाासन कांग्रेस के अधिवै ान की तैयारीयों में लगा हुआ है। आज इस बात से सारा प्रदे ा चितिंत है कि क्या यह सरकारी अधिवे ान है या कांग्रेस पार्टी का अधिवे ान है। इस करोड़ रूपये का खर्चा वहां पर किया जा रहा है। यह पैसा कहां से आ रहा है? आज हर व्यक्ति इस

बात को लेकर चिन्तित है कि यह सरकारी अधिवे ान है या कांग्रेस पार्टी का अधिवे ान है। इसके अलावा, ये अपना औफिस फरीदाबाद से दिल्ली ले आए है। वैसे ये औफिस चाहे फरीदाबाद लाये, चाहे दिल्ली लाये, हमें इस बारे में कुछ नही कहना है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, वहां पर डी. सी. एस. ई और ऐक्सियन यानी सारा प्र ाासन केवल इसी बात पर लगा हुआ है। आज वहा पर यह कोई नही देख रहा है कि बिजली आती है या नही, लोगों को दूसरी सुविधाए मिलती है या नहीं पानी आता है या नहीं, इसलिए स्पीकर साहब, हम यह चाहते हैं कि सरकार इस बारे में बताए कि यह कांग्रेस पार्टी का अधिवे ान है या सरकारी अधिवे ान है?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, कल के अखबारों में और खासकर अग्रेजी और हिन्दी के ट्रिब्यून में यह फोटो छपा है। इन अखबारों के फोटों में एक बुलडोजर काम कर रहा है जिस पर लिखा हुआ है हरियाणा पी. डब्ल्यू. डी. (बी. एड. आर.) इसके अलावा, अखबारों मे वि ोशकर नव भारत टाईम्स में भी लिखा हुआ है कि कांग्रेस अधिवे ान या सरकारी समारोह की तैयारियां। इन अखबारों में यह भी लिखा हुआ है कि फरीदाबाद के जिस किसी अधिकारी को सरकारी काम के लिए टेलीफोन किया जाता है, उसके घर से या दफतर से जबाव मिलता है कि वह सुरजकुंड मिलेगा। अखबारों में यह भी लिखा हुआ है कि मुख्यमंत्री जी ने वहां बैठकर इंडस्ट्रियलिस्ट्स को बुलाया और चन्दा इकठ्ठा किया।

खैर, यह तो इनका अपना काम है, लेकिन ट्रिब्यून अखबार में यह भी लिखा है कि वहां पर रेलवे की इरफोन कंपनी से एक भारी म ाीन आयी है जिसका 500 रूपये प्रति घंटा किराया लगता है। हम यह जानना चाहते है कि इस म ाीन का किराया कांग्रेस पार्टी देगी या गवर्नमैंट देगी? इसके अलावा यह जो सरकारी बुलडोजर वहां पर काम कर रहा है, क्यों कर रहा है? अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा, एक सीरियम बात यह भी है कि अखबारों में यह भी लिखा है कि वहां पर करीब 100 पेड़ काट दिये गये, जबकि एक पेड़ काटना भी गलत बात है। इन्होंने एकदम 100 पेड़ काट दिये और पता नही अभी कितने पेड़ और कटेगे। यह अखबारों में लिखा है। हम मुख्यमंत्री जी से जानना चाहेंगे कि सरकारी म ाीनरी का इतना दुरूपयोग क्यों किया जा रहा है। इसके अधिकारियों का नाम भी अखबारी में लिखा है। डिप्टी कमि ानर 24 घंटे वहां रहते है। मांगे राम गुप्ता जी कहते है क तनख्बाह देने के लिए पैसा नही है, खजाने खाली है दूसरी तरफ खजाने से इतना बेकार का खर्च किया जाता है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध मैं मैने मेवात से जुड़ती हुई एक कालिंग अटे ान मो ान आपकी सेवा में दी थी, जिसके लिए आपने परसों इस सदन में फरमाया था कि यह अंडर कंसीड्रे ान है पिछली तीन महीने से

श्री अध्यक्ष: यह इससे जुड़ी हुई बात नहीं है इसलिए इसे रिकार्ड न किया जाए।

Shri Amar Singh: Speaker Sir, I want to draw the attention of this august House to towards a very urgent matter of public importance. As per the Service of Party. The sessoin of AICC is going to be held at Faridabad in the last week of this month. In order to make it a grand success and to please the party bosses, the Haryana Goverment is collecting huge money from the industrialists of Faridabad in particular and from the industrialists of the State in general.

The national dailies show that the D.C. Faridabad and total machinery of the State is engaged for the preparations of the above said session. The whole of the preparations is done by the Government machinery and not by the congress works.

Thus, the administratien of Faredabad district in particular and the State in general, has come to a standstill and public interest is igjored for party activities.

Under these circumstances, I request that Govenment of Haryana should make a statement in this regard on the floor of the House.

श्री अध्यक्षः अमर सिंह जी, आपने तो सारा नोटिस पढ़ दिया जबकि मैने इसे अभी एडमिट भी नहीं किया। इस बारे में बिद–इन 48 ऑवर्स गवर्नमैंट से कर्मन्ट्स मांगे है। कोई बात आपने वैसे ही कहनी थी तो कह देते। चौधरी बंसी लाल जी आपकी पार्टी के लीडर है, उन्होंने जो बात कह दी है, उसमें सब कुछ आ जाता है।

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मैने अपनी पार्टी की तरफ से एक काल अटै ान मो ान आपकी सेवा में दिया था कि वह जो 27 से 29 मार्च तक फरीदाबाद भाहर मैं कांग्रेस का अधिवे ान हो रहा है, इस बारे में स्पश्टीकरण दिया जाये। (व्यवधान व भाोर)। 27 से 28 मार्च तक ही सही। यह जो कांग्रेस अधिवे ान फरीदाबाद में ही रहा है, इस बारे में न केवल अखबारों में हरियाणा के रोड रोलर के फोटो छपे है जिनमें काम करते हुए दिखाया गया है बल्कि वास्तविकता यह है कि सारी डिस्ट्रक्ट एडमिनिस्ट्रे ान इस बात की तैयारी में लगी हुई है कि उस जगह को तरीके से लैवल किया जाये। भाहर में तीन बाई पास बनाये गये है, सैकड़ो दरखत काट दिये गये है, जबकि कैथल में एक बाई बनाने के लिए एक–आधा कोई दरखत काटना हो तो सरकार एक–एक साल तक उसकी मंजूरी नही देती, लेकिन यहां पर न मंजूरी है और न ही कोई दूसरी बात है। इस बारे में दैनिक ट्रिब्यून में फोटो छपा है। सरकार क्या इस तरह से सरकारी धन का दुरूपयोग नही कर रही है? बजट में तो इस सरकार के पास कोई ऐसा नही है, लेकिन कांग्रेस अधिवे ान के नाम पर धन लुटाया जा रहा है। हम चाहते है कि सरकार इस बारे में जवाब दे और हमारा आप काल अटैं ान मो ान स्वीकार करें। (व्यवधान व भाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, ए0 आई0 सी0 सी0 के से ान की चर्चा माननीय सदस्य ने की है।

साथ ही उन्होंने अखबारों का हवाला भी दिया है। बुलडोजर पर हरियाणा लिखा भी इन्होंने देख लिया। (व्यवधान व भाोर) हां मै बताता हूं। हम इन्कार थौड़े कर सकते है। सच्चाई से भागने की कोई बात ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इस दे ा में एक बल्यू–बुक बनी हुई है। उसमें यह लिखा हुआ है कि प्रधान मंत्री राश्ट्रपति और केन्द्रीय मंत्री, जहां कहीं भी जायेगे, वहां उनकी सिक्योरिटी का पूरा इन्तजाम, उनके ठरहरने का पूरा इन्तजाम, पूरे रास्ते का इन्तजाम, उनकी स्टेज का पूरा इन्तजाम और सिक्योरिटी प्वायंट आफ व्यू से सारी बातें जितनी जरूरी होती है, का इन्तजाम बाकायदा कानून मुताबिक हर प्रदे ा को करनी पड़ती है, चाहे वे कहीं पर भी जाये। अब यहां पर कांग्रेस अधिवे ान हो रहा है। अब यहां पर तो कांग्रेस गवर्नमैंट है और अधिवे ान हरियाणा में ही रहा है। अगर कहीं पर कांग्रेस सरकार न भी हो, तो भी उस सरकार का सबसे पहला कर्तव्य है कि वह स्टेट गवर्नमैंट की तरफ से पूरा इन्तजाम करे। यही नही, आपको याद होग जब श्री राजीव गांधी जी की हत्या के बाद श्री जे0 एस0 वर्मा कमी ान बना, उस कमी ान ने अपनी रिपोर्ट में यह लिखा है कि राजीव गांधी, हालांकि उस समय एक्स मिनिस्टर थे, प्रधान मंत्री नही थे, तो उन्होने यह लिखा है कि जितना इन्तजाम होना चाहिये था, उतना पूरा नहीं हो सका था। यह उस वर्मा कमी ान ने इन्तजाम लिखा है। अध्यक्ष महोदय, कायदे के मुताकबिक जो बन्दोबस्त होना चाहिये, वह सरकार करेगी। इनके कहने से हम उसको टाल नहीं सकते क्योंकि वहां पर सेफटी की अत्यन्त आव यकता है। प्रधान

मंत्री की सेफ्दी का सवाल है, उनके रास्ते का सवाल है, पीने के पानी का सवाल है, बिजली का बंदोबस्त करने का सवाल है, वह सरकार अव य ही करेगी। लेकिन जहां तक अधिवे ान के लिये पैसा लगाने की बात है, बाकायदा कांग्रेस की तरफ से पैसा लगेगा। उसमें एक पैसा भी सरकार का खर्च होने का सवाल ही पैदा नहीं होता। लेकिन जहां तक इन्होंने काम कि बुडडोजर रास्ते पर लगे हुए है और उस पर हरियाणा लिखा है, अध्यक्ष महोदय, बुलडोजर हरियाणा सरकार का काम कर रहा है, यह ठीक बात है। अगर वहां पर सड़क चौड़ी होगी तो उसको तो हरियाणा गवर्नमैंट की चौड़ा करेगी। प्रधान मंत्री जिस रास्ते से आएंगे। अगर वह रास्ता ठीक नहीं है। तो उसको भी हरियाणा सरकार ही ठीक करेगी सड़क रोड़ रोलर से ही ठीक हो कसती है और रोड रोलर से सड़क बनती है। स्पीकर साहब चौधरी बंसी लाल ने भी कुछ बातें कहीं। चौधरी बंसी लाल जी, आपके बारे में तो मै क्या कहूं। आपने सारे कारनामें कर रखे है। आपको तो इन सब बातों का तजूर्बा है। आपको तो कुछ कहना ही नहीं चाहिए। आपने भी फरीदाबाद में कांग्रेस अधिवे ान कराया था और उस समय सारा पंडाल जल गया था। स्पीकर साहब, इन्होंने यह कहा कि सरकारी म ाीनरी लगी हुई है.....(भाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः आन ए प्वाएंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सुरजकुंड के बारे में तो कह दिया कि वहां बड़े–बड़े लोग आएंगे लेकिन

बड़ाखल लेक पर तो कांग्रेस अधिवे ान नहीं हो रहा है, वहां पर भी हरियाणा सरकार की म ीनरी लगी हुई है और करोड़ो रूपया हरियाणा सरकार का खर्च किया जा रहा है। (भाोर)

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, बड़खल लेक पर भी कुछ मुख्य मंत्री ठहरेंगे। उनका भी इन्तजाम करना हमारा फर्ज है। (व्यवधान व भाोर)। इन्होंने यह भी कहा कि वहां पर कोई रेलवे की म ीनरी भी है जो काम कर रही है। स्पीकर साहब, आपको पता है कि सरकारी म ीनरी वहां पर है तो उसका बाकायदा किराया ए0 आई0 सी0 सी0 (आल इंडिया कांग्रेस कमेटी) या प्रदे ा कांग्रेस कमेटी देगी। हर प्राईवेट फर्म या प्राईवेट आदमी सरकारी म ीनरी को किराए पर ले सकता है। (व्यवधान व भाोर) आप अपने दिमाग को बढ़िया सबित करना चाहते है, इसको तो आपको कौरा रखना चाहिए। (व्यवधान व भाोर) मैं एक बात कहूंगा तो फिर आप गुस्सा होंगे। (व्यवधान व भाोर) स्पीकर साहब, मै एक मिसाल सुनाता हूं। एक आदमी को अक्ल चाहिए थी। वह अक्ल खरीदने क लिए बाहर निकला। सब से पहले वह एक वकील के पास गया। उसने सोचा कि वकील बहुत समझदार होता है मुकदमे लड़ता है और लोगों को फांसी से छुडवा देता है। उसने वकील से पूछा कि अक्ल कितने में मिलेगी? वकील ने कहा कि एक लाख रूपए मिलेगी। उसने काह कि ज्यादा है। फिर वह आदमी डाक्टर के पास गया। उसने सोचा कि डाक्टर मरीजों को

ठीक करता है और बड़े–बड़े आप्रे ान करता है। उसने डाक्टर को कहा कि मुझे अक्ल चाहिए। डाक्टर ने पूछा कि अक्ल मांगने तू कही और भी गया था? वह कहने लगा कि हां। तो उसने क्या मांग था? वह कहने लगा कि एक लाख। डाक्टर कहने लगा कि मै तो डेढ़ लाख लूंगा क्योंकि मेरी उससे पढ़ाई दो साल ज्यादा है हम बडे–बड़े आपरे ाज करते है, लोगों को मौत के मुहं से बचते है इसलिये मै तो डेढ़ लाख लूंगा। फिर वह आदमी किसी इंजीनियर के पास गया। कहने लगा कि भाई मुझे अक्ल चाहिये। इंजीनियर ने पूछा कि किसी और के पास भी गया था? उसने क्या मांगा? वह कहने लगा कि हां एक ने लाख मांगा था और दूसरे ने डेढ़ लाख मांगा था। तो इंजीनियर कहने लगा कि मै तो दो लाख लूंगा क्योंकि हम बडे–बडे डैम बनाते है, पुल बनाते है। फिर वही आदमी के पास कि मुझे अक्ल चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी के बारे में यहां पर जी कुछ कहा जा रहा है वह रिकार्ड पर नहीं आना चाहिए। इस तरह की बेबुनियाद कहानियां यहां पर गढ़ने का क्या मतलब है? अगर कोई सदस्य जायब बात कहते है तो यें कहने लगते है कि हाउस का समय बरबाद हो रहा है। क्या इस तरह की कहानियों से हाउस का समय ये खुद बरबाद नहीं कर रहे है? इसलिये यह सब कुछ रिकार्ड पर नही आन चाहिये। (ाोर)

श्री अध्यक्षः ठीक है, चौधरी साहब का नाम कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात तो पूरी करने दीजियेगा। अध्यक्ष महोदय, मुझे खु ाी है कि आज कल चौधरी बंसी लाल और चौधरी देवी लाल का प्यार हो गया है। (हंसी) पहले जो भाशा उनके बारे में ये इस्तेमाल किया करते थे वह सब को मालूम है। चलो, अच्छी बात है, इन्होंने उनकी इज्जत की और हम भी करते है। इन्होंने दूसरी बात यह कह दी कि सरकार ने कई सौ पेड़ काट दिए। (विघ्न)

श्री बंसी लालः मैने कई सौ नही कहा था, एक सौ कहा था।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पूरे सौ कह दिया, जैसे में खुद गिन कर आए हो। पेड़ काटने का सवाल ही पैदा नही होता। बीच में कोई छोटा मोटा झाड़–फूस आ गया होगा, उसके बारे में मै इन्कार नही करता कि वह नही काटा पहले सफाई करनी पड़ती है। क्या में खुद ऐसा नहीं करवाते रहे? वैसे ही किसी पर इलजाम नहीं लगाना चाहिए और पहले अपने गिरेबान में झांक लेना चाहिए। इसलिए किसी बड़े पेड़ को काटने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। मै इनसे जानना चाहता हूं कि क्या इनको सारे हिन्दुस्तान में यह सै ान करने के लिए केवल फरीदाबाद नजर आया कोई डिवैल्पमैंट का काम करना होता है तो वह जिला

हिसार में किया जाता है और दूसरे कामों के लिए फरीदाबाद नजर आता है.....

श्री अध्यक्षः यह कोई प्लांयट आफ आर्डर नही है, आप बैठिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये कहते है कि फरीदाबाद में डिवैल्पमैंट के काम नही होते। इस सै ान की वजह से वहां पर डिवैल्पमैंट भी होगी। वहां पर हम पानी का और बिजली का काम कर रहे है। वहां पर सड़के भी बन रही है, क्या उनको हम बात में फाड़ कर ले जाएंगे? तो अध्यक्ष महोदय, कोई भी गल्त काम करने का सवाल नहीं हो सकता। इन्होंने कहा कि पैसे इकट्ठे करने जा रहे है। जहां तक पैसा इकट्ठा करने का सवाल है,.....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, हमने खुद कुछ नही कहा। हमने तो पेपर की बात है कि उसमे खिला है कि दस करोड़ रूपया इकट्ठा किया गया है। यह रूपया कहां से आया, यह पेपर में लिखा है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः मै कब कहता हूं कि बगैर पैसे के काम चलता है? चौधरी देवी लाल ने इलैक ान में सौ करोड़ रूपय बांट दिए थे। क्या वे खेत की सरसों और चने बेच कर बांटे थे। (ाोर)

श्री राम कुमार कटवालः .....

श्री अध्यक्षः कटवाल साहब ने जो कुछ कहा है, वह रिकार्ड न किया जाए। ही नही है और सरकारी म ाीनरी का इस्तेमाल होने का सवाल ही पैदा नही हो सकता। हरियाणा में कांग्रेस का अधिवे ान होना हरियाणा के लिए बड़े फखर की बात है आज 24 साल के बाद हरियाणा में इंडिया कांग्रेस का अधिवे ान होने जा रहा है। यह हरियाणा प्रदे ा की इज्जत का सवाल है और हम सबको हमारी सबकी इज्जत मान कर चलना चाहिए। उस अधिवे ान में सारे के बड़े–बडे लीडर आएगे, इसलिए उनकी सिक्योरिटी की और सारी फैसिलिटीज का इंमताम होना चाहिए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मत्री जी ने अभी अपनी स्पीच में बड़े ड्रामैटिक ढंग से बात को टालने की कोि ा ा की, मगर यह बात इस तरह से टालने से टलती नही है। इन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री जी की सिक्योरिटी के लिए बल्यु बुक होती है। ये अपने हाथ में कोई और ही बुक लिए हुए है। प्रधान मंत्री जी की सिक्योरिटी के लिए तो बहुत छोटी बल्यु बुक होती है। ये तो बहुत बड़ी किताब उठाए बैठे है। प्रधान मंत्री जी की सिक्योरिटी के लिए जो बल्यू बुक होती है मैन उसमें अमैंडमैंटस भी करवा रखी है जो आपको पढ़नी भी नहीं आती। प्रेजीडैट और प्रधान मंत्री जी की सफर के लिए सिक्योरिटी की बल्यू बुक होती है, रिकार्ड पर है। अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री या दूसरे वी0 आई0 पीज0 यहां आए, उनकी सिक्योरिटी के लिए

सरकार जितना प्रबंध करे, उसमें हमें कोई एतराज नहीं है और के लिए इन्टाइटल्ड है। रहा सवाल सड़को का सड़कों का, सड़के प्रधान मंत्री जी के आने के लिए चौड़ी करवाएं, बगैर प्रधानमंत्री जी के आए हरियाणा की कोई सड़क चौड़ी लिए जो साइट चुनी, जिस पर इतना रूपया खर्च हो रहा है, पेड कट रहे है, वह ठीक नही हैं। फरीदाबाद में दो बड़े बडे मैदान है, वहां पर आपने कांग्रेस का अधिवे ान क्यों नही करवा लिया? वहां पर जो पैसा खर्च किया जा रहा है, क्या वह कांग्रेस पार्टी का किया जा रहा है? सरकार के अधिकारी का बगैर नाम लेना, कांग्रेस तो कोई थोड़ा बहुत पैसा देगी तो देगी, वरना सारा पैसा हमारा ही लगेगा। यह बात अखबार वाले ने लिखी है।

एक आवाजः आप अपने वक्त को भी बता दें। (ाोर)

श्री बंसी लालः मै अपने वक्त की भी बात देता हूं। अध्यक्ष महोदय, 1969 में मैने फरीदाबाद में ए0 आई0 सी0 सी0 का सै ान करवाया था और वह खाली मैदान में करवाया था। आज भी फरीदाबाद में खाली मैदान है। यह बात ठीक है कि उस समय आग लग गई थी। हमने फरीदाबाद के इंस्ट्रीयलिस्टस पर कोई प्रै ार नही डाला थी। पूरे फरीदाबाद से 1 लाख 65 हजार रूपए इकट्ठे हुए, बाकी पैसा हमने बाहर से लिया और जिससे लिया, उसको बाकायदा रसीद दी। जब वहां पर आग लग गई तो फरीदाबाद के इंडस्ट्रीयलिस्टस ने यह कहा कि पैसा इकट्ठा करने में चीफ मिनिस्टर ने हमारे ऊपर कोई ज्यादती नहीं की। जो कुछ

पैसा हमने दिया वह ले लिया और रात रात में वहां के इंडस्ट्रीयलिस्टस ने पंडाल तैयार कर दिया। इसके अलावा, पंडाल के साथ उन्होंने एक किचन बनाई, उसमें पांच दिन तक 10 हजार आदमी मुफ्त खाना खाते रहे और चाय पीते रहे। ये लोग भी उन खाली मैदानों में अपना अधिवे ान कर सकते है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने एक बात तो यह कह दी कि वे बल्यू बुक जानते है, हम कब कहते है कि ये बल्यू बुक नहीं जानते। आप मिनिस्टर रहे है। आप बड़े काबिल वकील रहे है। (ाोर)

श्री सतबीर सिंह कादियानः क्या आप इनको काबिल वकील नही मानते?

चौधरी भजन लालः मै तो इनको बेहद काबिल मानता हूं। मै इनकी मिनिस्टरी में मिन्स्टिर भी रहा हूं। जो हकीकत है, वह माननी ही पड़ेगी। ये बड़े काबिल है, इसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन अब इन्होंने खुद मान लिया कि इन्होंने फरीदाबाद के इंडस्ट्रीयलिस्टस से चन्दा इकट्टा किय था लेकिन उन पर कोई प्रै ार नही डाला। प्रै ार की सुना लो। क्य आपके पास वहां से किसी पर प्रै ार डालने के बारे मे कोई ि ाकायत आई है?

श्री बंसी लालः हमारे पास तो इस तरह की कोई ि ाकायत नही आई है, मगर अखबार लिखता है।

चौधरी भजन लालः चौधरी साहब आप मेरी बात सुनिए। उस जमाने का 1 लाख 65 हजार रूपया आज एक करोड़ रूपय के बराबर है। अगर आप वकील है तो हिसाब लगा कर देख लें, 24 साल पहले की बात है, अगर नहीं लगाते तो वह आपकी मर्जी है। साथ में आपने यह कह दिया कि इन्होंने वहा के इंडस्ट्रीयलिस्टस पर कोई प्रै ार नहीं डाला। इसके प्रै ार की सुन लो। ये एक रोहतक के फैक्टरी वाले को दिल्ली से टेलीफोन कर के चले। इन्होंने कहा कि मुझे भााम तक इतने रूपये भेज देना। उसने मना कर दिया तो रोहतक के डी0 सी0/एस0 पी0 को टेलीफोन किया कि इतने बजे मै रोहतक से गुजर रहा हूं, उससे पहले पहले इस आदमी को हथकड़ी लगाकर जेल में डाल दी। (विघ्न) यह हकीकत है। (ाोर एवं व्यवधान) जहां तक इनके प्रै ार न डालने की बात है, वह मैने बताई है। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में ए0 आई0 सी0 सी0 का सम्मेलन हो रहा है और जितनी मदद हम उनकी कर सकते है उतनी करेंगे, इससे मदद भी हम, उनकी लेंगे, इसमें कोई दो राय नही।

वैयक्ति स्पश्टीकरण–

श्री बंसी लाल द्वारा

श्री बसी लालः आन ए पर्सनल एक्सप्लेने ान सर। अध्यक्ष महोदय, मैने किसी रोहतक के इण्डस्ट्रीलिस्ट पर प्रै ार नही डाला है। रोहतक में किसी कोई इण्डस्ट्री हो नहीं जो चन्दा

दे सकती हो। न ही मै रोहतक के किसी इण्स्ट्रीलिस्ट का जानता हूं। वहां पर इण्डस्ट्री है ही नहीं। इनकी यह बात निराधार है और इतनी ही सच है जितनी इनकी सच बोलने की परसैन्टोज है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मोहन स्पीनिंग मिल रोहतक का जो व्यक्ति उस वक्त इंचार्ज था, उसको जेल में डाला गया था परसैन्टेज है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मोहन स्पीनिंग मिल रोहतक का जो व्यक्ति उस वक्त इंचार्ज था, उसकी जेल में डाला गया था। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी कृश्ण मूर्ति हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, यह बात बिल्कुल सच है, क्योंकि में उस वक्त यूथ कांग्रेस का सैक्रेटरी था और इनके बड़े नजदीक होता था।

श्री बसी लालः आन ए पर्सनल एक्सप्लेने ान सर। अध्यक्ष महोदय, मै रोहतक के किसी स्पीनिंग मिल मालिक को नही जानता और न ही मै कभी उसके पास गया। इसलिए पैसे लेने का तो सवाल ही पैदा होता। ये जितने मर्जी इल्जाम लगा लें लेकिन उनमें कितनी सच्चाई है उसके बारे मे आप भी जानते है और यह सदन भी जानता है।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

राज्य में मद्य निशेध अन्दोलन के फेसने सम्बन्धी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a Calling Attntion Notice No. 4 given notice of by Dr. Ram Parkash M.L.A. regarding spreading fo agitation for prohibition in the State. I admit it Dr. Ram Parkash may please read his notice and the Co ncerned Minister may make the statement therafter.

डा0 राम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, मै इस महान सदन का ब्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की और दिलाना चाहता हूं कि मद्य निशेध आन्दोलन सारे हरियाणा में तेजी से फैरा है। ग्रामीण क्षेत्र के स्त्री–पुरूश भाराब के ठेकों पर धरना दे रहा है। स्त्रियां अधिक संख्या में प्रद र्शन कर रही है। सामाजिक तथा धार्मिक संस्थान भी उसमें भारी संख्या में भाग ले रहे है। स्वान्त्रता के बाद मद्य निशेध के विरूद्ध यह आन्दोलन एक बहुत व्यापक आन्दोलन है। अतः जनपत को दृश्टिगत रखते हुए मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि वह इस मामले में की भाईया की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही के संबंध में सदन पर एक वक्तव्य दे तथा इस संबंध आबकारी नीति, आदि के बारे में सूचित करें।

वक्तव्य–

आबकारी तथा कराधान मंत्री द्वारा, उपयुक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

Mr. Speaker: Now, I request the Excise and Taxation Minister to make the statement.

आबकारी तथा कराधान मंत्री (श्री ए0 सी0 चौधरी): अध्यक्ष महोदय, पिछले कुद महिनों से कुछ राज्य में वि ोशकर करनाल, कैथल व जीन्द जिलों में भाराब पीने के विरोध में धरने कर रहे है। ऐसी रिपोर्ट मिली है कि आर्य समाज के सदस्य, लोगों का भाराब न पीने का आग्रह कर रहे है तथा पंचायतों को उनके क्षेत्र मे भाराब बन्दी लागू करने के लिए प्रस्ताव पास करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

2. इस बारे मे, मै यह स्पश्ट करना चाहूंगा कि सरकार राज्य में मदिरापान को बढ़ाने के हक में नहीं है। दूसरी और सरकार ने इस पर रोक लगाने के लिए निम्न कदम उठाऐ है:—

(I) भाहरी इलाकों में देसी भाराब के ठेकों के साथ अहातों की पद्धति की 1—4—92 से समाप्त कर दिया है।

(II) यह निर्णय लिया गया है। कि वर्तमान ठेकों की संख्या को बढ़ाया नही जाएगा।

(III) देसी भाराब पर उत्पदान भाुल्क 16 रूपय से बढ़ा कर 18 रूपय प्रति प्रुक लिटर तथा रम और जिन पर 17 रूपय में बढ़ा कर 19 रूपय प्रति प्रूफ लिटर किया गया है। भारत में बनी विदे ाी भाराब पर उत्पदन भाुल्क 40 रूपय से बढ़ा कर 41 रूपय प्रूफ लिटर कर दिया गया है। इसी बढ़ौतरी का उद्देद ा भाराब को महंगी कर इसके सेवन को घटना है।

(IV) दे ी भाराब, रम व जिन तथा भारत में बनी विदे ी भाराब का न्यूनतम मूल्य भी बढ़ा दिया गया हे।

पंचायतों द्वारा अपने क्षेत्र में भाराब के ठेकों के खोलने के विरूद्ध पास किए प्रस्ताव आम तौर पर स्वीकार कर लिए गए है।

4. इसके साथ–साथ राज्य सरकार इस बात के लिए भी उत्सुक है कि लोग असुरक्षित कच्ची व मिलावटी भाराब, जो स्वास्थय के लिए हानिकारक है, न पीएं। इसके लिए यह देखना आव यक है कि सुरक्षित है कि सुरक्षित भाराब राज्य में उपलब्ध हो तथा मिलावटी भाराब के पीने से कोई मानव दुर्घटना का ि ाकार न हो, को टाला जा सके। यदि ठेकों को बन्द किया जाता है तो यह सम्भावना/डर है कि राज्य में भाराब की तस्करी और कच्ची भाराब निकालना इसका स्थान ले लेगा। इससे ऐसी स्थिति पैदा हो जाएगी कि लोग मिलावटी कच्ची भाराब पीने लगेगे जिसका परिणाम मृत्यु होगी या ठीक न होने वाला स्वास्थ्य नुकसान उठाएंगे। इस प्रक्रिया से सरकार के राजस्व की बहुत हानि होगी। भाराब बन्दी सबसे बड़ा लाभ असामाजिक तत्वों को ही होगा।

5. होने वाले विपरित प्रभाव की वजह से भाराब बन्दी लागू करना समाज के बड़े हित में नही समझा गया है। इसके लिए

एक न्ययिक उत्पाद नीति का पालन करना आव यक है और ऐसा ही राज्य सरकार कर रही है।

डा0 राम प्रका I: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि कया मंत्री महोदय जन–भावना की कदर करते हुए कांग्रेस की मान्यताओं के अनुसार तथा अब गांधी जी इच्छ यदि डिक्टेटर हूं तो एक वर्श में भाराब बन्द कर दूं तथा गुरू नानक जी की मान्यता–

''माड़ा न ाा भाराब का उतर जाए प्रभात

नाम खुमारी नानका चढ़ी रहे दिन रात'',

गुरूदेव महर्शि दयानन्द एवं श्री जम्भे वर जी महाराज आदि महापुरूशों की ि ाक्षा के अनुरूप जहां की पंचायतों ने भाराब बन्दी के प्रस्ताव पास किए है, उनमें से 222 अनिर्णित यानि अन–डिसाईडिड प्रस्तावों की मन्जूर कर के क्या इस भाराब की लानत को दूर करेंगे? प्रस्तावों में 56 प्रति ात की स्वीकार करना आमतौर पर स्वीकार करना नही कहा जा सकता। स्पीकर साहब, मै माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि कितने ठेकों पर धरना चल रहा है और क्या सरकार उन लोगों से बातचीत करना चाहेगी?

श्री ए0 सी0 चौधरी: स्पीकर साहब, आपको याद होगा, मैने पिछले दफा कहा था कि अभी मामला विचारधीन है। मै अपने फाजिज दोस्त को यह बताना चाहूंगा कि कुल 569 प्रस्ताव आए

थे। जिसमें से 519 प्रस्तावों को हमने स्वीकार कर लिया है। बाकी जो 50 रहते है, उनमें से 15 पंचायतों ने प्रस्ताव वापिस ले लिये है और 26 प्रस्ताव टाईम बार्ड थे, सिर्फ 9 प्रस्ताव हमारे क्राईटीरिया के मुताबिक नही थे। 569 प्रस्तावों कि हमारा उद् य भाराब का फैलाव करना नही है बल्कि जनहित करना है। लोगों के हितों को ध्यान में रखकर ही ऐसा किया गया है।

डा0 राम प्रका ः अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि कितने ठेकों पर धरना चल रहा है और क्या सरकार उनमें बातचीत करना चाहेगी?

श्री ए0 सी0 चौधरीः अध्यक्ष महोदय, 9 या 10 ठेकों पर धरना चल रहा कल की रिपोर्ट के अनुसार 3–4 धरने और उठ गए है। अगर आप सारी समस्या तो वि वास के साथ कहता हूं और निश्पक्ष तौर पर आप महसुस करेंगे कि आर्य– समाज या कोई अन्य संस्था, भाराब–निशेध के लिए धार्मिक और भाुद्ध भावना से काम नही कर रही है, बल्कि वह पक्षपाती तत्वों द्वारा फैलाई हुई एक.....

डा0 राम प्रका ः अध्यक्ष महोदय, मै इस बात का वि ोश करता हूं जो आवे समाज के बारे में लांछन लगाया गया है। इनका आर्य समाज को यह कहना कि वे धार्मिक भावनाओं से काम नहीं कर रहे है, यह हमारा अपमान है यह सहन नही किया जायेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ए0 सी चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मेरा तो यह कहना है कि आर्य समाज से सम्बन्धित कुछ लोगों को छोड़ कर, बाकी ऐसे लोग है जो भाराब का अवैध धन्धी करते थे, जिनको हमारी पालिसी से नुक्सान हुआ है। वे असामाजिक तत्व, जो कच्ची भाराब लाते थे और बाहर से तस्करी करके लाते थे, उनकी दुकाने बन्द हो गई है। इसलिए वे इस किस्म का वातावरण पैदा कर रहे है। ताकि समाज की भावनाओं को कलै ा करते हुए अपनी दुकाने खोल सकें। मै धर्म में आस्था रखने वाला हूं और उस नीति से हर धार्मिक व्यक्ति का आदर करता हूं। मै आपसे एक प्रार्थना करूंगा कि जहां तक सामाजिक कुरीतियों की बात है, सरकार आपकी है। आपकी हर जायज मांग को मानेगी। वे लोगों तो चाल चल कर भोले–भाले लोगों की भड़का कर अपने उद् य के लिए इस्तेमाल करना चाहते है और अपना उल्लू सीधा करना चाहते है। मै यह यह कहना चाहता हूं कि वे नकली भाराब बेच कर लोगों की जिन्दगी से न खेले, इस बारे में हम विचार करेंगे। इन्ही भाब्दों के साथ आपको आ वासन देता हूं कि सरकार लोगों की भावनाओं का आदर करती है और हर मुमकिन कोि ा ा करेगी। जैसा कि मैने पालिसी मे बताया है कि सरकार यह सब पैसा वसूल करने की नियत से नही कर रही है बल्कि सामाजिक तौर परावह पूरी तरह से जागृत है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै भी इस बारे में बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आप इस सम्बन्ध में नहीं बोल सकते। यह काल अटैं ान मो ान उनकी तरफ से ही था। आप इस पर कुछ नही बोल सकते।

(इस समय बहुत से मैम्बर बोलने के लिए खड़े हो गए।)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाए।

सदन के निर्णय को रद्द करना

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, बजट पर चर्चा होने जा रही है और विपक्ष के नेता सम्पत सिंह हाऊस में नहीं है। उनकी गैरहाजिरी में चर्चा हो, यह अच्छा नहीं लगता। मंत्री महोदय ने यह कहा है कि इन को सबक सिखाना पड़ेगा। (ाोर)

श्री अध्यक्षः श्री धीर पाल सिंह जी, उन्होने ऐसे कोई बात नही कही। जैसे आपने मजाक किया था वैसे ही उनके मुंह से बात निकल गई होगी।

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै भांका जाहिर कर रहा हूं कि सरकार की ऐसी बदनियती जाहिर होती है कि पिछले सै ान के होने के बाद उनके घर पर छापे मारे गए। उसके बाद जब वे लोग इस हाउस में जाए तो उन पर माईक तोड़ने का आरोप लगया गया और उनको हाऊस से निकाला गया। मेरी गुजारि ा है कि जो उनको पूरे सै ान के लिए सस्पेड किया गया

है, उस ाके रिवोक किया जाए। अध्यक्ष महोदय, जब चर्चा मे विरोध पार्टी के नेता भारीक न हो तो उस चर्चा का महत्व नही रहता। अध्यक्ष महोदय, आप एक आदे ा जारी करें ताकि श्री सम्पत सिंह जी को हाऊस में आने की इजाजत दे दी जाए। यह मेरी आपसे गुजारि ा है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, आपने नेम करके परसों श्री सम्पत सिंह को निलंम्बित किया for the remainder period the the Session और साथ ही कल सत्ता पक्ष की और से प्रीविलेज मो ान भी आ गया।

श्री अध्यक्षः इन्हे for tne remaider period of the Session हाऊस ने निलम्बित किया है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः जी हां और वह प्रीविलेज मो ान ट्रेजरी बेचों की और से मूव हो गया और लीव आफ दी हाऊस भी ग्रांट हो गयी। स्पीकर साहब, अब हमने अखबारों में पढ़ा है कि अब उन्होंने हाउस से अनक्वालीफाई अपोलोजी टैन्डर कर ली है। इस बिना पर वे हाऊस में आ तो नही सकते, जब तक आप अपने आर्डर्ज रिव्यू न करें। आप जो ऐक ान ले सकते थे वह आपने ले लिया, गवर्नमैंट की और से जो मोशन आ सकता था, वह भी आ गया। He has also tendered unqualifled a pology out of the House. अब आप की ही डिसक्रि ान रह गई है। गवर्नमैट की हैल्प के बिना तथा अपोजी ान की हैल्प के बिना, अब आाप पर निर्भर

करता है कि जो कुछ अखबारों में छपा है, उसकी बिना पर आप अपने उस आर्डर को रिव्यू करना चाहूंगे या नहीं चाहेगे? the entire discrition lies upon you Sir. तो मेरा आपसे नम्रता से निवेदन है कि आप बड़े इम्पा र्ल है। इस हाऊस में हमारा भी आप पर इतना ही हक है जितना कि ट्रेजरी बैचिज वाली का है। तीन दिन से भी आप पर हाऊस में नही आ रहे है, इसलिए मै समझता हूं कि अब उनको काफी सजा ही गयी है और आप उस आर्डर को रिव्यू कर लें जो आपने उनको बाकी सत्र के लिए निलम्बित करने के बारे में दिया है। उनको आज से हाऊस में आने की अनुमति आप दे ताकि वे भी अपनी डैलीब्रे ान में हिस्सेदारी कर सके।

श्री अमर सिंहः स्पीकर सर, हाऊस में आप हमारे कास्टोडियन है। हमारे राईट्स और ड्युटीज का आपने ध्यान रखना है। हमसे तेजी में कुछ गलतियॉ भी हो जाती है। जिस तरह तेजी में आकर लीडर आफ दी हाऊस ने अपना ब्यान दिया, उसी भावना से उन्होंने अनकंडी ानल अपोलोजी टैन्डर की है। यह सारे अखबारो में भी आया है। जैसा कि मुख्यमंत्री जी कल खदसा जाहिर कर रहे थे कि उनका बयान सारे अखबारो में आया है, मै यह कहता हूं कि आज सभी पेपरों में उनका अनकंडी ान अपोलोजी टैन्डर का भी बयान आया है। स्पीकर सर, आप तो ऐजूके ानिस्ट है, बहुत मेहरबान है, सारा जमाना आपने देखा है। तथा आपका काफी एक्सपीरिएंस भी है। इससे रूलिंग ग्रुप को

कोई लाभ मिलने वाला नही है क्योंकि जनता में इस बात को और अधिक भड़काया जायेगा कि मैजोरिटी के आधार पर यह ऐक ान लिया गया है। स्पीकर सर, मेरा यह मानना है कि चेयर का फर्ज बनता है कि वह हर बात को देखे। साथ ही हमारा भी यह फर्ज बनता हे कि हम चेयर के खिलाफ कोई बात न कहे, चेयर की मर्यादा या गरिमा को कम न करे। स्पीकर सर, जैसा कि आनरेबल मैम्बर्ज चौ0 धीरपाल सिंह जी ने और थी वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा है कि उन्होंने अब अन–कंडी ानल अपोलोजी टैन्डर कर ली है और यह बात सारे नै ानल पेपर्ज में आयी है, इसलिए मैं समझता हूं कि आप कल वाले फैसले को, जो हाउस में प्रिविलेज मो ान पास हो गई है और वह मो ान प्रिविलेज कमेटी को रैफर कर दिया गया है, उस फैसले की रिव्यू किया जाए और लीडर आफ दि अपोजी ान को बुलाया जाए और हाउस मे बैठने की इजाजत दी जाएं।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, आपने स्वयं कल प्रयास किया। सभी राजनैतिक दतों के प्रमुख लोगों को बुलाया, फिर बीच में हाउस एक घंटे के लिए एडजर्न भी हुआ। हम सब लोग भी आपसे मिले, हमारी जो बातचीत हुई, आपको मालूम है और स्पीकर सर, जैसा आप जानते है कि दो प्रोसीडिग्ज एक साथ नहीं चलनी चाहिएं। कल विपक्ष के नेता की तरफ से समाचार पत्रों में आ गया और बिन किसी भार्त के उनकी अपोलोजी टेन्डर हो गई। सदन में वे क्यों नही आ सकते? सदन के बाहर उन्हौंने

कहा कि सदन में अध्यक्ष में वे क्यों नही आ सकते? सदन के बाहर उन्होने कहा कि सदन में अध्यक्ष के खिलाफ मैनें जो कुछ कहा है वह विदड्रा कर लिया है। सारे सदन की यह भावना है और आपकी गरिमा की केवल सत्तापक्ष के लोगों को ही चिन्ता नहीं है, हमें भी उतनी ही चिन्ता है, आपकी गरिमा में हमारी हमारी गरिमा जुड़ी हुई है। सदन की गरिमा का आप प्रतिनिधित्व करते है। संपत सिंह जी ने अपनी गलती के लिए प चाताप कर लिया है इसलिए उनको सदन में आने दिया जाए तो इससे सदन की गरिमा ही बढ़ेगी। स्पीकर सर, जैसा सभी वरिश्ठ साथियों ने कहा है और आप भी चाहते हे, कल आपने दो–तीन बार प्रयत्न भी किया। श्री संपत सिंह जी अपोजी ान के माननीय नेता है, उनकी कल की जो अपोलोजी है, उसके बाद कुछ रह नही जाता इसलिए आप इस पर पुरर्विचार करने की कृपा करें। यही मेरी आपसे गुजारि ा है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जैसा अभी भार्मा जी ने कहा, एक जुर्म के लिए दो सजाये नही होती। चौधरी संपत सिंह जी ने जो कुछ यहां कहा, उसके ऊपर कल उनकी पार्टी के अध्यक्ष ने बहुत कुछ कह दिया, हम लोगों ने सबने कह दिया। मै तो यह समझता हूं कि लीडर आफ दी अपोजी ान के बगैर हाउस चलाना अच्छा नहीं लगता। तो मै आपसे प्रार्थना करूंगा कि उन्हें इस सदन में आकर प्रोसीडिंगज में हिस्सा लेने की इजाजत दी जानी चाहिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हम भी इस बात का महसूस करते है कि अपोजी ान क लीडर हाउस में होना चाहिए और यह कोई अच्छी प्रथा नहीं है, लेकिन बहुत ही दुखभरे मन से आपको उन्हें नेम करना पड़ा। एक बार नही, हर से ान में उनका रवैया, उनका बात करने का ढंग ऐसा होता है, वे हर आदमी के लिए तू भाब्द का इस्तेमाल करते है। ऐसा भौंडा मुह करके बात करते है जैसे तम्बाकू खा रहे है, यह अच्छा नहीं लगता।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुंह तो भगवान ने बनाया है।

चौधरी भजन लालः ठीक बात तो करे। मुंह तो उनका अच्छा है लेकिल बात अच्छी नहीं करते। जो बात करते है इतना भौंडा मुहं बनाकर करते है जैसे गोली मारते है अगले को। हाउस की मार्यादा का सवाल है। सारा दे ा, सारा प्रदे ा, सारी गैलरी सभी महानुभाव और सारें दे ा के अखबार देखते है, यह अच्छी बात नही है। आप सभी महानुभावों ने एक बात कही है, हम इस बात को मानते है, यदि हाउस में आकर वे कहें कि मै माफी चाहता हूं मेरा जो कंडक्ट था, वह ठीक नही था, हाउस में आकर वे माफी मांग लें और यह भी मान लें कि भविश्य मैं भी उनका कंडक्ट ठीक रहेगा तो मेरी भी आपसे प्रार्थना है कि उनको बुला लीजिए।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, प्रिविलज मो ान भी वापिस ले लें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अब यह हमारे बस की बात नहीं है, क्यौंकि यह मामला कोर्ट में यानी कमेटी के पास है। जब वे हाउस में आ जाएंगे और मामला कुछ नार्मल हो जाएगा तो जो आनरेबल मैम्बर्ज है, जिन्होंने यह मो ान दिया है, हम उनसे रिक्वैस्ट करेंगे कि वे किसी तरह से इस मामले को ठीक करे।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी आपके माध्यम से सदन के नेता ने कहा है कि चौधरी संपत सिह जी हाउस में आकर खेद व्यक्त कर दें। मैने कल भी कहा था और मैने खुद भी खेद वक्त किया हे। आपसे हमारा पूर्णतयः वि वास आज भी है और जब आप नहीं होंगे, तब भी होगा। आप पर कभी वि वास न रहा हो, ऐसी बात नही है। यही नही हमारे नेता का भी आपमें वि वास हैं। हाउस के नेता यदि कहें कि सम्पत सिंह जी यहां पर आकर माफी मांग ले, वह ठीक नहीं है। मैने कल जो बात कही थी, क्या वह काफी नही थी? मैन आज भी बात कही है। मै यह कहता हूं कि हाउस के नेता यदि यह वि वास दिला दे कि जो प्रीविलेज मो ान मूव किय है, वह भी उनके कहने पर ही उनकी पार्टी के ही एक सदस्य ने मूव किया है, वह उनके पर वापिस हो सकता है तो हमें इसमे कोई आपति नही है। अगर आप यह वि वास दें तो ठीक है। (व्यवधान व भाोर)

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, किसी भी कमेटी का कोई मैम्बर हो, यह अपनी पार्टी के लीडर से बाहर नही होता। जो मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि यह तो कोर्ट का मामला है, यह है वह है ठीक बात है कोट्र तक तो जायेगा ही। कोर्ट में जब जायेगें तब देखा जायेगा। मै यह कहता हूं कि जब बात को खत्म करने लगें ही तो पूरी बात को खत्म किया जाये। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी वकील है। आप जानते है सुप्रीम कोर्ट के जज को, भारत सरकार अप्वायंट करती है और हाई कोर्ट के जज की चीफ मिनिस्टर और गवर्नर की रिकौमैडे ान पर अप्वायंटमैंट होती है। लेकिन जज बनने के बाद जब उसकी कोर्ट में कोई केस जाता है तो फिर भारत सरकार या स्टेट गवनमैंट उसमे इन्टरफीयरेस नही कर सकती। जैसे मैने पहले ही कहा है कि जब मामला ठीक हो जाएगा और माहौला ठंडा हो जाएगा, हालांकि अब यह मामला सदन का नही रहा है लेकिन फिर भी प्रिविवेज कमेटी के पास जब मामला टेकअप होगा तो हम उससे यह प्रार्थना करेंगे। अब माहौला नर्म हो गया है, इय मामले को साधारण वानिन्ग देकर या कुछ और कहकर खत्म करे। लेकिन जहां तक उनके यहां था, उसी तरह कह दे तो उनका यहां पर सम्मान के साथ स्वगत है। अगर वह इस बात को कहने के लिए तैयार है तो हम उसका स्वागत करते हे। हमारी तो अपनी तरफ से आप को यही प्रार्थना है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट में या हाई कोर्ट में किसी केस के जाने के बाद सरकार कुछ नहीं कह सकती। यही नही, सबाईनिट कोर्ट में भी केस ही तो भी सरकार कुछ नही कह सकती। यह तो हाउस की प्रिविलेज कमेटी की बात है। यह कोई इंडीपेडैंट बौडी इस हाउस के अलावा थोड़े ही है। वह कमेटी को यह मामला रैफर किया है और यही उसको वापिस भी ले सकता है। इसलिए मै यह समझता हूं कि जब हम बात को खत्म करने लगे है तो पूरी ही खत्म कर दे।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, आप प्रिविलेज कमेटी को नौमीनेट करते है। यह एक नौमीनेटिड कमेटी हाउस की है। वह कमेटी आपकी वि ाज से बाहर नही जा सकती।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, जब इनके लीडर बोल चुके है तो इनका बोलने का औचित्स नही है। (व्यवधान व भाोर)

श्री धीर पाल सिहः मैने कल भी आपको वि वास है और आज भी वि वास दिलाने की कोि ा ा की है लेकिन अभी तक हाउस के नेता पूरी तरह से सहमत नही है क्योंकि उनका मन साफ नही है। मै कोई कड़वी बात न कहते हुए सिर्फ यही कहता हूं कि फिर हम वाक–आउट करते है और प्रीसीडिग्ज का बाई–काट करते है। यह तो लोकतन्त्र तो लोकतन्त्र की हत्या है।

इस तरह से लोकतन्त्र की हत्या करके चौधरी भजन लाल जी हमें दबा नहीं पायेगे।

चौधरी भजन लालः चौधरी धीर पाल जी, आप इस पार्टी के नेता है। आप कह रहे है कि उनके कहने से आपने उनकी तरफ से कल हाउस में माफी मांगी थी और उनके कहने से ही मै स्पीकर साहब से प्रार्थना कर रहा हूं। क्या हाउस में आने के बाद वे यह नही कह सकते कि उन्हें खेद है और आइंदा वे ऐसी कोई बात नहीं करेंगे या ऐसी बात नही कहेंगे? असूल यह है कि जब किसी आदमी से गल्ती हो जाए तो क्षमा उसे मांगनी ही पड़ती है। पंचायत वाले तो इतना कह सकते है कि आपने कह दिया और पंचायत ने आपकी माफी की मान लिया। क्या उनका यह फर्ज नहीं बनता कि हाउस में आकर खेद प्रकट करे। अगर वह खेद व्यक्त करना चाहते है तो हाउस में आ कर बैठ सकते है।

चौधरी सूरज भान काजलः स्पीकर साहब, इससे यह बात भी तो हुई है कि मो ान जो मूव किया गया था, वह वापिस हो जाए।

चौधरी भजन लालः आपके कहने से ही तो उनको बुला रहे है।

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी सम्पत सिंह ने आप की भाान मैं हाउस से बाहर कोई बात कही लेकिन उन्होंने

इस बात को महसूस किया और मैने उनकी तरफ से खेद प्रकट किया। आपकी भाान में जो चोट पहुंची है, उसके लिए मै फिर खेद प्रकट करता हूं।

श्री ए0 सी0 चौधरीः आपने उनके बिहाफ पर माफी मांगी है। उनको यहां आ कर माफी मांगाने में क्या हर्ज है? जब आपके द्वारा माफी मांग सकते है तो खुद आ कर भी काफी मांग सकते है।

श्री धीर पाल सिंहः उन्होने हाउस से बाहर प्रैस गैलरी में बात कही और प्रैस के सम्मानित साथियों के बीच खेद व्यक्त कर दिया और जो बात उन्होने कही, उसके लिए उन्होंने माफी भी मांगी। स्पीकर साहब, मै आपसे गुजारि ा करूंगा कि हाउस से बाहर जो बात कही गई थी उन्हौंने उसके लिए खुले मन से माफी मांग ली है। उनके मन में आपके प्रति पूरी आस्था है और पूरा सम्मान है।

श्री अध्यक्षः यह सारी बातें इस बात पर आ जाती हैं कि चौधरी सम्पत सिंह को हाउस इजाजत दे देता है, व ार्ते कि वह यहां आ कर जो बात आपने यहां कही है, वही बात वे भी हाउस में आकर कह दें। जो बात बाहर कह सकते है, प्रेस में कह सकते है, अखबारों में कह सकते है, तो यहां हाउस में आकर कहने में क्या हर्ज है?

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, नेहरा जी ने प्रिविलिज मो ान मूत्र कर दिया। मुख्य मंत्री जी ने और पार्टी के साथियों ने जो दबाव डालना था, वह हम पर डाल दिया और हम आपसे प्रार्थना कर रहे है, मै हाउस के नेता से भी प्रार्थना कर देता हूं.....

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इस वक्त मो ान हाउस के पास नहीं है। वह मो ान बाकायदा प्रिविजिल कमेटी के पास जा चुका है। हम तो इतना ही कर सकते है कि हाउस की जो भावना है, वह कमेटी तक पहुंचा देंगे और कमेटी को कह देंगे। (व्यवधान व भाोर) हा उस के पास तो प्रिविलिज मो ान है ही नहीं। बार–बार एक बात को दुहराने से क्या फायदा है। वह यहां आकर खेद प्रकट कर दें।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, उस मो ान को वापिस लेने में लीगल हिच क्या है?

श्री अध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी, आप यह बताएं कि उसे वापस लेने के लिये हाउस का कौन सा रूल है?

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, कौन–सा रूल न कहता है, वह आप बता दे।

Mr. Speaker: Rule 266 says that-

if heave under rule 266 is granted, the question shall be referred to a Committee of Privileges on a motion

made either by the member who has raised the question of privilege or by any other member.

It has been referred to the Privileghe Committee. Rule 83 regarding the withdrawal of motion says:-

"A member who has made a motion may withraw the sam by leave of the Assembly"

So the matter stands reffered to Committee of Privileges under Rule 266 on a motion moved by the member and adopted by the by House. Now it is not stage to withdraw it.

प्रो0 रामबिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मेरी सबमि ान है कि जैसे कल एक प्रिवलेज मो ान यहां हाउस के अन्दर आया और वह प्रिवीलेज मो ान प्रिवलेज कमेटी के सुपुर्द कर दिया गया जोकि इस हाउस की एक सब कमेटी है, and all the pocedure and rules which are framed by this august House and this august House is the master in itself. तो यह हाऊस उसमें अपना रूल परिवर्तन भी कर सकता है और नये सिंरे से निर्णय भी कर सकता है और फिर रूल 83 को पढ़कर आपने बिलकुल स्पश्ट ही कर दिया है। इसलिए यह मामला विदड्रा हो सकता है और हाउस की सैन्स भी है। स्पीकर सर अगर आप मुझे परमिट करें तो मै रूल 83 दोबारा पढ़ कर सुना देता हूं:–

"A member who has made a motion may withraw the sam by leave of the Assembly"

It is very obvious.

श्री अध्यक्षः रामबिलास जी आप कृपया बैठिये। इसका मतलबे यह है कि उसी वक्त वे विदड्रा कर सकते है लेकिन अब, जबकि वह मामला प्रिवीलेज कमेटी रेफर हो गया करता है। पहले, जो उनको इस हाउस से निकाला गया है, उसको रिवोक किया जाए। वे यहां आकर, जो कुछ उन्होंने प्रैस को कहा है, अनकंडी ानल अपोलोजी किया है और फयूचर बीहेवीयर के बारे मे ऐ ोंर भी किया है, उस बारे में, वे यहां आकर रिक्वैस्ट करेंगे कि उनका जो मासला प्रिवोलेज कमेड़ी को रैफर किय गया है, that may also be withdrawn.

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जहां तक रूल का सवाल है, वह तो आपने यहां पर पढ़कर सुना ही दिया है कि उनको वापस लिया जा सकता है लेकिन अगर इन्होंने अपनी प्रेसटिज का सवाल बनाना है, तो दूसरी बात है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः बंसी लाल जी, जो आप कह रहे है, वह पैडिग मसला है।

श्री सतबीर सिह कादयानः स्पीकर साहब, रिवोक करने की बात आई थी और हैल्दी ट्रेडि ान यही होगी कि ज्यादा बहस में न पड़ कर विपक्ष के नेता का यहां पर जानता है, वे जिम्मेदार आदमी है। इसलिए इतने गलत एटीच्यूड अपमाने की बात किसी को भाोभा नहीं देती। If he has committed any crime, you can punish him once but not twlce. प्रिवलिज मो ान की बात हो तो हम बात करें लेकिन चार दिन के सै ान में भी अगर आप उनको

नही बैठने देना चाहते है। तो अलग बात। (ाोर) स्पीकर साहब, आपकी सैटिसफैक ान होनी चाहिए, इसलिए आप दोनों बैठ कर बात कर लें।

श्री अध्यक्षः यह दोनों की बात का सवाल नहीं है बल्कि हाउस की बात है। वे यहां आ कर कह दें, उसके बाद फिर प्रिवीलेज कमेटी को कहा जाएगा कि वह इसे ड्राप कर दे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे बताया गया है कि कादयान साहब वकील भी है। मै इनको इतनी बात कहता हूं कि वह मामला आज सदन के सामने नहीं है। कल तो यह बात ही सकती थी। अब तो यह मामला कमेटी को रैफर ही चुका है। अब मिसाल के तौर पर आप मेरे खिलाफ अवि वास का प्रस्ताव ले आएं और वह पास हो जाए तो क्या आपको वापिस लेने का अधिकार है?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, वे यहां आ कर माफी मांग ले, इसमें क्या दिक्कत है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैने पार्टी का अध्यक्ष होने क नाते पूरी कोि ा ा की और जो मै नही कहना चाहता था, वह भी कहा। आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी, बहन चन्द्रावती, भार्मा जी और वीरेन्द्र सिंह जी जितने भी विरोधी पार्टियों के नेता है, उन्होने हाउस में वे बात कह दी जो नही कहनी चाहिएं थी। अब आप कह रहे है कि वह मामला रैफर हो

गया है। अगर आप कल चाहते तो हो जाता। मै एक बात और कहना चाहता हूं। चौधरी बंसी लाल जी यहां बैठे है, कल स्पीकर साहब के सामने लिखित की बात आई, वह भी मैने मान ली थी अब ये और भी आगे चले गए। मुख्य मंत्री जी ने कहा कि उनका लिखा हुआ इनके पास भी होना चाहिए और सभी मैम्बरों के पास भी होना चाहिए।

चौधरी भजन लालः मैने ऐसा नही कहा है।

श्री धीर पाल सिंहः सभी लोग वहां पर थे और मैंने आपकी किसी बात पर न नही की। लेकिन हाउस के नेता नहीं चाहते थे कि सम्पत सिंह जी यहां पर बैठे।

12.00 बजे

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, यदि हाउस के नेता नहीं चाहते तो जब यह प्रिवीलज मो ान एडमिट हुआ था तो वे चौधरी बंसी लाल के सुझाव पर, हाउस को एक घंटे के लिए एडजर्न न करवाते। वे तो चाहते थे। कि हम आपस में बैठ कर बात करें। वे यहां पर आ कर माफी मांग लेते। इन्होने ऐसा होने नही दिया, इसलिए यह मामला प्रिवीलेज कमेटी को रैफर हो गया। अब ये फिर कहते है कि उनको यहां आना चाहिए। हम भी बार–बार प्रार्थना करेंगे कि उनको बुला लें और वे यहां पर आ कर माफी मांग ले, इसमें दिक्कत क्या है? गलत कंडक्ट की वजह

से ही उनको हाउस से निकाला गया था। जब उन्होंने कल प्रैस के सामने माना है तो यहां मानने में क्या दिक्कत है?

श्री धीर पाल सिंहः हम चेयर के हर आदे ा की पालना करते है। चेयर जो भी आदे ा दे, हम उसको स्पीकार करेंगे। उनका इतना गलत कंडक्ट भी नही था जिसके कारण उनको इतनी बड़ी सजा मिले।

श्री जगदी ा नेहराः हम तो आप से प्रार्थना करते है कि उनको आप हाउस में बुला लें। जब आप ही उनको नही बुलाते है तो हम क्या कर सकते है?

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरी आपसे गुजारि ा है कि आप हाउस को 20 मिनट के लिए एडजर्न कर दें। उस के बाद हमारा जो भी फेसला होगा हम बता देंगे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, हाउस को 20 मिनट के लिए बे ाक एडजर्न कर दे लेकिन मेरी विरोधी पक्ष के भाईयों से प्रार्थना है कि 20 मिनट के बाद जब हाउस बैठे तो आप वाक आउट करके मत जाना। यहां हाउस में बैठ कर हमारी बातें सुनना। यदि आप वाक आउट करेंगे तो इस समय हाउस एडजर्न करने का क्या फायदा है? हम भी चाहते है कि लीडर ऑफ दि अपोजि ान यहां हाउस में होने चाहिए।

Mr. Speaker: Now the House stands adjourned for 20 minutes.

(The Sabha then adjourned and reasembled at 12.22 P.M.)

वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the general discussion on the Budget Estimates for the year 1993-94 will be resumed. Smt. Chandravati may speak.

श्रीमति चन्द्रावती (लोहरू): स्पीकर साहब, आपका बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बजट पर बोलते के लिए समय दिया। ऐसा बजट मैने पहला देखा है जो माननीय वित मंत्री जी ने बिना पैसे का बजट दिया है। इस बजट के अन्दर 85 करोड़ रूपये का घाटा है और सरकार पर 3845.44 करोड़ रूपये का कर्जा है। इससे आप अन्दाजा लग सकते है कि डिवैल्पमैंट के काम किस तरह से होंगे।

अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै सिचाई के बारे मे बोलना चाहूंगी। भिवानी जिले में जहां पर नहर क माध्यम से पीने का पानी भी जाता है और सिंचाई के लिए भी जाता है, उस बारे में मै यह कहना चाहती हूं कि वहां पर लिफ्ट इरीगे ान स्कीम्ज, जो गई थी, उनकी म ीने खराब पड़ी है। एक पुर्जे को निकाल कर म ीन को ठीक किया जाता है तो दूसरे पुर्जो खराब हो जाता है। जब वहां पर म ीने ही ठीक नही होगी ता पानी कहां से आएगा? हमारे वहां पिछली गर्मियो से भी और इस सर्दी में भी पानी की बड़ी भारी दिक्कत रही है। मेरे हल्के के मिठीखुई,

मोलका पातवन, मन्डोली खुर्द और मन्डोली गांवो में पानी नही पहुंचता। कभी बिजली खराब हो जाती है तो कभी लिफ्ट खराब हो जाती है। इसी प्रकार से स्पीकर साहब, बोरिंग करके जो टयूबवैल्ज लगाए गए है और कुएं बनाए गए है, उनकी भी हालत खस्ता है, इस बारे में भी गवर्नमैंट का इन ऐफि ायैन्सी है। (विघ्न)

बैठक के समय में परिवर्तन

श्री रामपाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, मेरी एक सबमि ान है। आज पण्डित भगवत दयाल भार्मा जी की रस्म पगड़ी है और इस हाउस के कई मैम्बर्ज उस में भाग लेना चाहेगें, इसलिए मेरी गुजारि ा है कि हाउस की कार्यवाही आज एक बर्जे समाप्त कर दी जाए ताकि मैम्बर्ज, वहा जाना चाहे वे जा सके।

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सैन्स हो तो हाउस की आज की कार्यवाही 1.30 बजे की बजाए 1.00 बजे तक चलाई जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः आज हाउस की कार्यवाही 1.30 बजे (अपरान्ह) की बजाये 1.00 बजे (अपरान्ह) तक चलेगी।

वर्श 1993–94 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्रीमति चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैं हरियाणा स्टेट माईनर इरीगे ार टयूबवैल कारपोरे ान के बारे मै बात कर रही

थी। इस में 24.73 करोड़ रूपये का लोस दिखाया गया है। कुल आपरेटिव टयूबवैल्ज 1943 है, जिनमे से 836 है, खराब है। कुछ का लौस इसलिए है कि जिस समय जमींदार चाहता है उसको समय पर पानी नही मिलता, कभी कहा दिया जाता है कि कुआ खराब है कभी कहते थे कि बिजली खराब है। यह सारी इन ऐफि ान्सी और करप ान की वजह से है। स्पीकर सर, आज जो इतने सारे कुओं पर सरकार पैसा खर्च करती है उनमें से आधे कुए बेकार है। जो बोरिंग करने वाले है, उनका भी बुरा हाल है। वे काम को बीच में ही छोड़ कर चले जाते है। गांव बुढ़ेडा में बोरिंग का काम चल रहा था लेकिन वे लोग बीच मं ही छोड़ कर चले गये। डिपार्टमैंट को चाहिए कि वे इस बात को देखें कि बिजली ठीक पहुंच रही है या नहीं। खुदाई हुई या नहीं। इस प्रकार की कई चीजें है जिस की वजह से डिपार्टमैंट में इन–ऐफि ान्सी है। इसी प्रकार से स्पीकर साहब नहरों के महकमें का भी बुरा हाल है। मिस्टर नारंग इन्जीनियर इन चीफ थे, फिर जे. पी. गुप्ता को इन्जीनियर–इन–चीफ लगा दिया और दो इन्जीनियर इन चीफ हो गये। 1989 में ड्रेनेज में बहुत बड़ा घोटाला हुआ था, उस समय जे. पी. गुप्ता करनाल में चीफ इन्जीनियर थे। 90 के करीब अधिकारीयों को सस्पैड किया गया था। वे भी विजिलैन्स आफिसर थे, इनके खिलाफ खिलाफ जब डी. एस. पी. इन्क्वायरी करने के लिए गया तो उसको कुछ ले देकर छोड़ दिया। वह आदमी जो भाक के घेरे में था उसी करप्ट आदमी को एक आदमी को हटा कर दूसरा चीफ इन्जीनियर लगा दिया।

आज नहरों की छंटाई का काम नहीं होता हे। मै दाबे के साथ कहती हूं और मुख्यं मत्री जी को चैलेन्ज करती हूं कि वे खुद कार देख ले लेख सर्कल में अगर फवरिट इन्जीनियर होगा तो वह काम देगा, लेकिन दूसरी जगह वह काम नही करता है। जिस आदमी के खिलाफ साढ़े तीन साल विजिलैन्स इन्कवायरी चलती रही हो आज उसने विजिलैन्स खुद ले रखा है। ऐसी आदमी जिसका नाम 1989 के सबसे बड़े स्कैण्डल में किन पिन था, पता नहीं कैसे उसने मेनुपुलेट कर लिया, आज भी वह यहीं लगा हुआ है। ऐसे आदमी के बारे में इन्क्वायरी होनी चाहिए। पिछली आर मैने हाउस में भी कहा था क इसकी वजह से एक जुनियर इन्जीनियर को आत्मा–हत्या करनी पड़ी थी। अभी उसने कुछ लड़को को बिना वजह सस्पैड कर दिया है। स्पीकर साहब, जो पैसा न दे, उसको सस्पैड़ कर दिया जाता है। स्पीकर साहब, सारे दे ा की अर्य–व्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। अगर खेतों की सिचांई के लिए पानी नही मिलेगा ता पैदावार नही बढ़ सकती। नहरों के लिए जो पैसा रखा गया है, वह बहुत कम है और भ्रश्ट लोग इसको खा–पी जाएंगे। स्पीकर साहब, मै यह नही कहती कि सारी अफसर नालायक और भ्रश्ट है, माफ करना, अच्छे लोग भी है। करपू ान के मामले में जो नामी गरामी है, उसको नहरों के महकमें में लगा रखा है। मै समझती हूं यह उचित नहीं है। इसके लिए मै मुख्य मंत्री जी और नहरों के वजीर जी से दरख्वास्त करूंगी कि इस और खास ध्यान दें। किसान खेतों में काम तो खुद ही करता है लेकिन अगर पैदावार बढ़ानी है तो कम से कम

पानी का बंटवारा तो ठीक ढंग से होना चाहिए। भाखड़ा की कई सालों की छटाई नहीं करते हैं तो आप ही बताएं कि पानी कहां से आएगा? यह जो सारी चीजें हो रही है, इसके लिए कौन जिम्मेवार है? मै तो यह कहूंगी कि इसके लिए मुख्य मंत्री जी और मंत्री जी जिम्मेवार है क्योंकि यह देखते ही नहीं है कि छटाई नही होती, जिसके कारण पानी नहीं आता।

अध्यक्ष महोदय, मै बिजली के बारे में कहना चाहूंगी। भारत सरकार द्वारा नियुक्त की गई कुलकर्णा कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार किसी भी थर्मल पावर स्टे ान की ट्रबाईन की औवर हालिंग, 20000 घंटे चलने के बाद 45 दिन के अन्दर हो जानी चाहिए। बिजली बोर्ड ने इस बारे में कोई समय निर्धारित नही किया है। लेकिन फरीदाबाद थर्मल पावर प्लांट का जो मैन मैनुफेक्चरर है, वह बी. एच. ई. एल. है उनकी भी रिक्मेंडे ान यही है कि ट्रबाईन की औवर हालिंग 3/5 साल के बाद 20 हजार घण्टे के बाद जो भी पहले हो, एक बार जरूर की जानी चाहिए। इसके बावजूद भी, इन्होंने 3/5 साल की निर्धारित अवधि के बजाए, लगभग दो साल बाद ओवर हालिंग का कार्य किया और उस काम को करने के लिए 45 दिन की बजाए 75 से 286 दिन तक पावर प्लांट बंद रहा।

श्री अध्यक्षः रिपोर्ट तो पहले की है लेकिन यह छपी 1992 में है।

श्रीमति चन्द्रावतिः अध्यक्ष महोदय, यह 1984–85 से लेकर 1992 तक की रिपोर्ट है। इसके अलावा, अध्यक्ष महोदय, इन्होने कोयले की कज्म ान ज्यादा की। थर्मल अथोरिटी ने कोयला ज्यादा कंज्यूम होने के दो–तीन कारण बताएं हैः– (1) एक्विपमैंट के डिजाईन में डिफि ाएंसी (2) ब्वायलर्ज के डिजाईन से कोयले की क्वालिटी में डेबिए ान तथा (3) कंडेसर में इस्तेमाल करने के लिए रा–वाटर की घटिया क्वालिटी। अध्यक्ष महोदय, 1987–88 से 1991–92 तक इसमें 7,558.59 लाख रूपय का कोयला एक्सैस बूज हुआ है। इसका मतलब यह हुआ कि 9.68 लाख टन ज्यादा कोयला कंज्यूम किया गया है। तो यह कहती हूं कि यह कंज्यूम नही किया है बल्कि करप ान में गया है। इसलिए सरकार को चाहिए कि पावर स्टे ान की तरफ ठीक ध्यान दे। आजकल बिजली को ठीक तरह से चलाया नही जाता, उसको बहुत ज्यादा बन्द किया जाता है उसकी देख रेख नही की जाती। बिजली के लिए कहते है कि हरियाणा बैल्फैयर स्टेट है और यहां पर सबसे ज्यादा बिजली सप्लाई की जाती हे। अध्यक्ष महोदय, यह तो मुख्य मंत्री जी का डिपार्टमैंट है और इन्हे कम से कम यह देखना चाहिए कि पावर हाऊस ठीक से चल रहे है या नही, बिजली ठीक से चल रही है या नही कोयला ठीक से पहुंच राह या नही, क्योंकि जल्दी से जल्दी बिजली बन्द की जाती है। कम से कम बिजली को तो इन्हें देखना। अध्यक्ष महोदय, बिजली न हो तो हमारा यहां बैठना बन्द हो जायेगा। अन्त में मै इतना ही कहना चहाती हूं कि यह सारी कमियां इनऐफीसीऐन्सी की वजह से और

करप् ान की वजह से है। आज फसलें सूख जाती है और कारखाने बन्द हो जाते ह। आप देखेगे कि ये क्यों बन्द हो जाते है? कही ऐसा तो नहीं कि बिजली बंद हो। कही 45 दिन के लिए बन्द रखा जाता है और कहीं 85 से 286 दिन तक के लिए रोकी जाती है। इसलिए सरकार को समय पर उचित कदम उठाने चाहिएं।

स्पीकर साहब, अब मै सड़को के बारे में कहना चाहती हूं। मेरे पास लोन की गांड़ी है। जब मैं बेहल और सिवानी से आती हूं तो पता चलता है कि वहां की सड़को पर बहुत ज्यादा रेत है। उस रेत के कारण गाड़ी खराब हो जाती है। सर्दियों में सड़को का रेत पिछे नही हटता, वैसे इन्होने सड़को के लिए 20 करोड़ रूपये रखे है। इस पैसे से तो ये हिसार या सिरसा की सड़कों की मुरम्मत कर देंगे, दूसरी सड़कों को मुरम्मत नही करेंगे। तकरीबन सभी सड़को को बुरा हाल है। मेरे हल्के में तीन ऐसे कस्बे है। जिनसे में ऐसी सड़के गुजरती है ये कस्बे एक तो ढिगावा और दूसरा बहल है। इसलिए आप कम से कम पब्लिक हेल्थ वालों से कह दीजिये ताकि वे देखें कि जो सड़के कस्बों से गुजरती है उन पर पानी नही आना चाहिए। अगर उन पानी नहीं आएगा तो सड़के नही टूटेगी। झज्जर, दादरी और लोहारू के अन्दर सड़के टूटी हुई है। (विघ्न) यह ठीक है कि आपके सिरसा में सड़को पर पानी नही आता होगा लेकिन हमारे यहां गांवौं मे से होकर जो सड़कें जाती है, वे पानी की वजह से टूट जाती है।

स्पीकर साहब, इसलिए मैं आपसे कहना चाहती हूं कि आप ध्यान रखें कि सड़को पर पानी नहीं आना चाहिए। लोग सड़को पर वा ि ंग बगैरह लगा लेते है।

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमति भाति देवी राठी): स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। मै बहिन चन्द्रवती जी से पूछना चाहती हूं कि एक तरफ तो बे कहती है कि भिवानी जिले में पानी नही जाता है और दूसरी तरफ कह रही है कि पानी की वजह से रोवज टूट जाती है। इन दोनों मे से कौन सी बात सही है?

श्रीमति चन्द्रावती: स्पीकर साहब, घरो से जो गंदा पानी आता है, उससे सड़के टूटती है, नहर के पानी से सड़के नही टूटती। घरों का गंदा पानी तथा कुओं का गंदा पानी सड़को पर आ जाता है। जिससे सड़क टूटती है। जो एम. एल. एज. के फैलेट्स बने हुए है, वहां भी धोबी के घुले हुए कपड़ो का पानी सड़क पर आ जाता हे। मुझे तो ऐसा लगता हैं कि लोगों के मिनिस्टर बनने के बाद उनके दिमाग खराब हा जाते है। (विघ्न) मेरा दिमाग तो हमे ाा बराबर रहता है। दिमाग में सोचने की भाक्ति जरूर होनी चाहिए यह ठीक नहीं है कि दुर्योधन की तरह से हर जगह पानी ही पानी नजर आए। पानी तो नजर आये और अगर पानी न हो तो भी पानी ही नजर आए ऐसा नहीं होना चाहिए। स्पीकर साहब, मै कह रही थी कि गंदे पानी से सड़के टूट जाती है, इसलिए पानी को सड़को पर नही आने देना चाहिए। रोहतक के अन्दर तो सड़को का बुरा हाल है। कम से कम उस

भाहर की सड़को को तो ठीक करना चाहिए। जहां पर युनिवर्सिटी है, मैडीकल कालेज है। साथ ही रोहतक को वैसे भी हरियाणा का दिल कहा जाता है लेकिन उसकी सड़कों का सैनीटे ान का बुरा हाल है। (विघ्न) आपको मिनिस्टर बनने के बाद गंदगी नही दिखाई देती होगी। हम तो रौज ही रोहतक के अन्दर से होकर गुजरते है, उन सड़को का बुरा हाल है। आज जो नये नये कस्बे बढ़ रहे है, वह बिना प्लानिग के ही बढ़ रहे है वहां पर कोई सेनीटे ान नहीं है। इस तरह के छोटे छोटे कस्बे दादरी में या लोहारू में तो नहीं है लेकिन रोहतक के पास जरूर बन रहे है। इसी तरह से आप करनाल को भी ले लै या किसी अन्य भाहर को ले लें, सब जगह नयी बस्तियों में कोई सैनीटे ान नहीं है। पिछली बार भी इन्होंने कहा था कि उसकी ट्रीटमैंट करने के लिए म ाीन लगा दी जाएगी जिससे पानी का सदुपयोग भी होगा और गंदगी भी कम हो जाएगी। स्पीकर साहब, गंदे पानी से जो सब्जियां उगायी जाती है, उन्हें खाकर लोग बीमार हो जाते है अगर ये गंदा पानी साफ होगा तो लोग सब्जियां खाकर बीमार भी नहीं होंगे। तो ये सारी चीजुें हैं। जिस का सरकार को ध्यान ररखना चाहिए। पैसा तो सारा करप ान में चला जाता है।

इसी तरह से हुड्डा का सिवाय जमीदारों की जमीन लेने के और कोई काम नही रह गया है। चुने हुए लोगों को प्लांट दे दिए जाते है। मुख्यमंत्री जी के कोटे से प्लाट दे दिए जाते हे यह सब बन्द होना चाहिए। मैने मुख्यमंत्री जी को झाड़सा गांव के

चौधरी दीवान सिंह के बारे में लिखा है, उनके सारे लड़के बी0 ए0 पास है, कोई नौकरी में नही है, उनकी जमीन ली जा रही है। वहां डी0 एल0 एफ0 की जमीन है, सबकी जमीन है। सबकी जमीन वहां छोड़ी हुई है, उसकी कोई सिफारि ा नही हैं इसलिए उसकी जमीन जा रही है। दुनियां में कही भी, जो एग्रीकल्चर के लिए बेस्ट लैन्ड उसको एक्वायर नहीं किया जाता। फैक्टरी उस जमीन पर लगनी चाहिए जो खेती के लायक न हो। लेकिन वहां क्या करेंगे? कुछ दिल्ली वाले या कोई पास के फरीदाबाद वगैरह से लोग आकर बस जाएंगे। अगर सब वहां बस जाएंगे तो वहां के जमीदारों की छोरी लोगों लोगों की कोठियों में क्या घास खोदेगी? पहले हुड्डा इसलिए बनी थी ताकि प्राइवेट कालोनाइजर्स के भोशण से लोगों की बचाया जा सके परन्तु अब हुड्डा कालोनाइजर्स से भी आगे बढ़ गई है।

दूसरी अनएम्पलायमैंट की बात भी कही गई। बजट स्पीच के पेज 12 में इन्होंने कहा है कि 1993–94 में 46,500 नवयुवक व नवयुतियों को नए जीव दिए जाएंगे, बड़ी अच्छी बात है। आपको बिजली के महकमें के चेयरमैन ने कुछ पोस्टें लाइनमैन और ओसस्टेट लाइनमैन की एडवरटाइज भी की थी। उसके लिए 3–4 लाख दर्खास्ते आई हे उसमें 46,500 लोगों को रोजगार देने की बात है। आज जो आत्माहत्याओं का दौर चल रहा है, उसकी वजह बेकारी है। अब कह रहे है कि एन0 आर0 आईज0 को बुलाकर उनको काम देंगे। मै कहाती हूं कि क्यों उनको काम

देगे? क्या अपने यहां कमी है? आपकी जिन्दल साहब से कोई बात ही गई हो तो बात अलग है वरना हमारे यहां अच्छे बिजनेसमैन है जिनको काम आता है, उनसे सलाह ने लो और किसी अच्छी वर्क ाप के जरिए उनको टैक्निकल ट्रेनिंग दिलवाओं। आज जो नकल के अड्डे बने है, उनको खत्म करके आप यह काम कर सकते है उनको टैक्निकल ि ाक्षा देना जरूरी है। वे छोटी उम्र में ज्यादा समझते है, इसलिए ट्रेनिग दें। लोहारू में एक आई0 टी0 आई0 स्कूल है।

श्री अध्यक्षः चन्द्रावती जी, आप एक मिनट के लिए बैठिए।

सर्वश्री सम्पत सिंह तथा रमे ा कुमार एम0 एल0 एज0 के निलम्बन सम्बन्धि सदन के निर्णय को रद्द करना

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपकी भाान में चौधरी सम्पत सिंह जी ने जो भी कहा है उसके लिए उन्होंने बाहर भी खेद व्यक्त किया है। हाउस में आकर भी वे खेद व्यक्त कर देंगे लेकिन एक बात मैं कहना चाहूंगा। जहां तक हाउस में आने की अनुमति के लिए हाउस का नेता ने कहा था कि वे खेद प्रकट नहीं करेगे, उनसे मै यह कहूंगा कि वे इस बात को न छेड़े, जिस ढंग से आपने चर्चा की थी। स्पीकर साहब की भाान में जो बात हुई है। उसके लिये हमने बाहर भी खेद व्यक्त किया है और हाउस के अन्दर भी खेद व्यक्त करने के लिए तैयार है। लेकिन

मेरा कहना यह है कि हाउस में आने के लिये अनुमति लेने के लिए खेद की कोई बात नहीं होनी चाहिये। अगर आप इस बात पर दवाब डालकर यह चाहेंगे कि वह हाउस में आने की अनुमति लेने के लिये भी खेद व्यक्त करें, तो यह ठीक नहीं है और न ही खेद प्रकट करेंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जहां तक मै समझ पाया हूं धीर पाल सिंह जी यह कहना चाह रहे है कि उन्होंने आपकी भाान के खिलाफ जो कुछ कहा है, आनरेबल मैम्बर उसके लिये अन–कंडी ानल अपैलोजी टैंडर करने के लिये तैयार है।

श्री धीर पाल सिंहः यह तो आप को मैने पहले ही वि वास दिला दिया है। (विघ्न व भाोर)

श्री भजन लालः वह तो होगा ही लेकिन इसके साथ ही आगे के लिए आचरण ठीक रखेंगे उनको यह भी तो कहना पड़ेगा। (व्यावधान एवं भाोर) आचरण की बात तो जरूरी है।

श्री धीर पाल सिंहः आचरण तो हाउस के अन्दर अगर आपका ठीक रहेगा तो हमारा भी ठीक रहेगा। (व्यावधान एवं भाोर)

चौधरी भजन लालः अगर हमारा आचरण खराब हो तो स्पीकर साहब, को अख्तियार है कि वे हमें भी नेम कर सकते है। (व्यावधान एवं भाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं तो इस बारे में यहां तक कहने के लिये तैयार हूं कि very member in this House is supposed to behive properly. कोई आदमी यह कैसे कह सकता है कि कल को क्या हो सकता है? इसलिये इस बात को कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, पहले ये स्वयं वि वास दिलायें कि ये ठीक रहेंगे। अगर ये हाउस में ठीक रहेंगे तो हम भी ठीक रहेंगे। (व्यावधान एवं भाोर)

श्री भजन लालः अगर हम ठीक नहीं होगे तो स्पीकर साहब, आप हमारे लाफ भी एक ान ले सकते है। (व्यावधान एवं भाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः अगर कभी फिर ऐसा हो जायेगा तो फिर आप कहां भाग जायेंगे? यही रहेंगे। फिर ऐसा कर देना। फिर इनका टट्टू पार कर देना।

चौधरी भजन लालः ठीक है जी।

Mr. Speaker: Is it the sense of the House कि श्री सम्प्त सिंह तथा श्री रमे ा कुमार खटक को बुला लिया जाये।

आवाजेः जी हां।

एक आवाजः सप्तत सिंह जी को अब यहां बुला लें।

श्री अध्यक्षः चन्द्रावती जी, आप थोड़ा बाद में बोल लेना। अभी सम्पत सिंह जी आ रहे है। अभी आप बैठिये। You are on your legs and you will Continue.

(इस समय श्री सम्पत सिंह तथा श्री रमे ा कुमार ने हाउस में प्रवे ा किया। तालियां)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, सबसे पहले तो मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने पूरे एफर्टस से पूरी मेहनत करके दो दिन से जो मामला चल रहा था, वह रिजौल्व कराया। परसों हाउस में बड़ी हीटिड एक्सचैंजिज हो गयी थी। और उस वजह से आपने मुझे नैम किया। ऐसा करने में आपकी विव ाता रही होगी, आपकी मजबूरी रही होगी। आपने अपने राइट्स का इस्तेमाल किया उस समय हाउस में गवर्नमैंट के साथ हीटिड ऐक्सचैंज चल रही थी और उसी हीटिड ऐक्सचैज की वजह से मै सीधा प्रैम गैलरी में गया और आपकी भाान में कुछ भाब्द कह दिये जो मुझे नहीं कहने चाहिए थे। स्पीकर साहब, कल मेरे खिलाफ प्रिविलिज मो ान भी आया। मुझे मालूम था कि मेरे खिलाफ प्रिविलिज मो ान आ रहा हैं और प्रिविलिज कमेटी एक मैम्बर के खिलाफ कुछ भी कर सकती है। कोई कार्यवाही वह कमेटी मैम्बर के खिलाफ कर सकती है। इसके बावजूद मै प्रैस गैलरी में गया और प्रैस के सामने मैंने खेद व्यक्त किया कि मुझे खेद है कि मैने स्पीकर साहब की भाान में ऐसे भाब्द कहें। मुझे ऐसे भाब्द नहीं कहने चाहिए थे। मुझे प्रैस के कुछ भाई मिल पाए, कुछ नहीं मिल

पाए। जो नहीं मिल पाए उनको मैने टेलीफोन पर कहा कि जो मेरा स्टेटमैट है, वह मैं विदड्रा कर रहा हूं। स्पीकर साहब, मैंने उसी वक्त रियालाइज कर लिया था कि स्पीकर साहब के बारे में मुझे ऐसी बात नहीं करनी चाहिए थी। स्पीकर साहब, जो भाब्द मैंने आपकी भाान में कहे, उनके लिए मुझे रिग्रेट है। मै पहले भी आपकी इज्जत करता था और आज भी करता हूं और सभी मैम्बर्ज को आपकी मन में कोई बात आप महसूस न करें और मैं यह महसूस करता हूं कि आपने जो बातें रिजोल्व की है, वह बहुत अच्छे तरीकें से की है। हर सदस्य को हाउस में अपना बिहेबीयर ठीक रखना चाहिए और हम भी यही कोि ा ा करते है कि सदन में हमारा विहे्वीयर बढ़िया रहे। जो कुछ आपने किया है उसके लिए आपका धन्यवाद।

Chudhari Jagdish Nehra: Sir, I beg to move-

That the decision of the House taken on the 3rd March 1993 in respect of Sarvahri Sampat Singh and Ramesh Kumar M.L.As suspending them for the remaider of the Seasion under Rule 104 read with Rule 121 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assmbly, be rescinded.

Mr Speaker: Motion moved-

That the decision of the House taken on the 3rd March 1993 in respect of Sarvahri Sampat Singh and Ramesh Kumar M.L.As suspending them for the remaider of the Seasion under Rule 104 read with Rule 121 of the Rules of

Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assmbly, be rescinded.

Mr Speaker: Motion moved-

That the decision of the House taken on the 3rd March 1993 in respect of Sarvahri Sampat Singh and Ramesh Kumar M.L.As suspending them for the remaider of the Seasion under Rule 104 read with Rule 121 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assmbly, be rescinded.

The motion was carried.

श्री अध्यक्षः मै भी चौधरी सम्पत सिंह जी को बताना चाहूंगा कि किसी मनुश्य के बर्ताव का आधार इसके मन के विचार होते हे। और वह उनके अन्दर से निकलते है और कभी भी इस ढंग से गुस्से में नही बोलना चाहिए। अगर कोई आदमी कोई बात कहता भी है, किसी को कोई गाली देता है या कोई बात कहता है तो उसको नजअन्दाज कर देना चाहिए। एक बार महात्म बुद्ध को किसी ने गाली दी। उन्होने कहा कि अगर आप कोई चीज मुझे देते है और मै नही लेता ती वह चीज मेरे पास नही आई वह उसी के पास है जो देता है इसलिए हमे ाा ठीक ढंग से बर्ताव करना चहिए और ठीक ढंग से बोलना चाहिए। बाणी भी एक तप है। बाणी के बारे में भाास्त्रों ने कहा है और झूठ बोलना दोश है। तप से सिद्धी होती है और सिद्धी से भाक्ति आती है। कड़वा बोलना और गाली देना दोश है। मीठा बोलना तप है। चुगली करना दोश है और स्पश्ट बात मीठे ढंग से कहना सही है और इसी तरह से

बिना मतलब बोलना जो यथार्थ न हो, जिससे कोई फायदा न हो, वह भी एक किस्मा को दोश है। जहां बोलने की जरूरत हो वहां चुप भी नही रहना चाहिए। हौसले से सही बात बोलना भी एक जायज बात है। तो कोई गल्ती करे उसको मान ले यह भी एक हौसले की बात है और यह एक बहुत अच्छी बात है। महात्मा गांधी जी ने दे ा में कई मूवमैंट भुरू की थी और जब वह पूरी हीट पर थी जब उन्हौंने देखा कि उसमें भड़काव आने की आ ांका है तो बिना कुछ कहे उन मूवमैंटस को वापिस ले लिया हांलाकि इस मामले में बहुत से लोग उनसे नाराज भी हुए। इससे व्यक्ति का बड़प्पन जाहिर होता है। जो व्यक्ति गलती मान लेता है वह महान होता है। सम्पत सिंह जी न भी अपनी गलती मान ली, यह उनका बड़प्पन है जो उन्होंने इस बात को महसूस किया। गीता में एक भलोक है (अध्याय दो और भलोक 63)

From anger come Delusion

From Delusion there is loss of memory

And with the lose of memory ruin of Intellect-

Discriminative Power (Budhi)

And with ruin of discriminative. power (Budhi) he perishes"

मै उन सभी पार्टीज के लीडर्ज को इसके लिए बधाई देना चाहता हूं जिन्होने इन मसले को नजदीक लाने की कोि ा ा की है। इसके साथ–साथ लीडर आफ दी हाउस चौधरी

भजन लाल और पालियामैन्ट्री मिनिस्टर श्री जगदी ा नेहरा को भी बधाई देता हूं कि उन्होंने भी इस बात को बड़ी फिराखदिली से माना है, इससे इस हाउस का माहौल ठीक रहेगा। आनरेबल मैम्बर्ज हमारा यहां आने का मतलब यह है कि हम अपने विचारों को, अपने हल्कों की बात को, अपनी स्टेट की बातों को खुलकर इस हाउस में कह सकें और इसके लिये हम ज्यादा से ज्यादा टाईम भी मिलना चाहिये। और जो कोई भी आपसी विचारों में मतभेद है, उनको आपस में बैठकर हल करें और अपनी स्टैट के हितों के बारे में काम करें। मै अपने व इस हाउस के सैन्टीमैन्ट्स प्रिवलेज कमेटी के मैम्बर्ज तक जोकि इस हाउस में भी बैठे है, पहुंचाऊ कि जो अगली कार्यवाही है, उसको इसके इसके मुताबिक वे ड्यू टाईम पर अव य करें।

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर सर, हमें इस बात का फख्र है कि आप जैसे विद्धवान हमारे स्पीकर है और भाशण में आपने जो बाते कहीं, वे सचमुच प्रवचन है। ऐसे प्रवचन आप यदि हर सै ान के भाुरू मे दे दें तो उससे हमें सद्बुद्धि भी मिलेगी और हम आपको वि वास दिलाते हैं कि हम सभी साथी अपने हरियाणा प्रान्त के हितों के लिये, जितनी हमारे में समझ है, जितनी हमारे में भाक्ति है, डेलीबे ान में हिस्सा लेते रहेगे। जनता की सेवा और हरियाणा के हित हम सब के लिये सर्वोप्रिय है, और रहेगें।

श्री अध्यक्षः चन्द्रावती जी, क्या आपने सभी अपने मजबून पर बोलना है?

श्रीमति चन्द्रावतीः स्पीकर सर, अभी बोलना है जी। (ाौर)

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, ऐसा है कि इस बार किसी की तकरीरें नहीं हो पाई है, यदि 10–15 मिनट और इनको बोलने के लिये दे दिये जाएं तो क्या फर्क पड़ता है। कम से कम इनकी तकरीर तो पूरी हो जाएगी।

श्री अमर सिंहः स्पीकर सर, आपने कल कहा था कि हरियाणा विकास पार्टी के सम्बर्ज को भी बोलने का समय दिया जाएगा। लेकिन हमें आज बोलने के लिए कोई टाईम नही दिया गया है।

श्री अध्यक्षः 9 तारीख मंगलवार को जब हाउस लगेगा, तो उस समय आप की पार्टी के मैम्बर्ज को टाईम मिलेगा।

श्रीमति चन्द्रवतीः स्पीकर साहब, मैने अभी भाुरू ही किया था। मै मुि कल से 5 मिनट ही बोली हूं।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): बहन जी, ऐसा है कि आज पंडित भगवतदयाल जी की तेरहवीं है और वहां पर तीन बजे का टाईम दिया हुआ है। इसलिए यह फैसला हुआ था। कि हाउस आज एक बजे एडजर्न हो जाएगा। आपकी जो बाते रह गई है, वे आप मंगलवार को कह लेना।

श्रीमति चन्द्रावतिः स्पीकर साहब, ठीक है, मुझे कोई ऐतराज नही है, आप मुझे मंगलवार को टाईम दे देना।

श्री अध्यक्षः ठीक है। आपको मंगलवार को जरूर टाईम देंगे। Now, the House stands adjorned till 2.00 P.M. on Tuesday, the 9th March 1993.

1.00 P.M.

(The Sabha then adjourned till 2.00 P.M. on Tuesday, the 9th March 1993).